www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 210 || अम्बेडकरनगर
शुक्रवार
23 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:09
सूर्यास्तः 05:32
अधिकतमः 31°00
न्यूनतमः 19°00

पेज 07

विशेष समाचार | सिनेमाई पुनर्जागरणः धार्मिक... >>पेज 04 | स्टेट लेवल खो-खो खिलाड़ी ... >>पेज 06 | 30 अक्टूबर को दिल्ली में ...

लखनऊ पुलिस वैन में हाथ जोड़े, थाने में 6 घंटे पूछताछ, बोली- वकील से बात करिए

न्यायिक कस्टडी में मॉडल श्रद्धा को दस दिन के लिए भेजा जेल

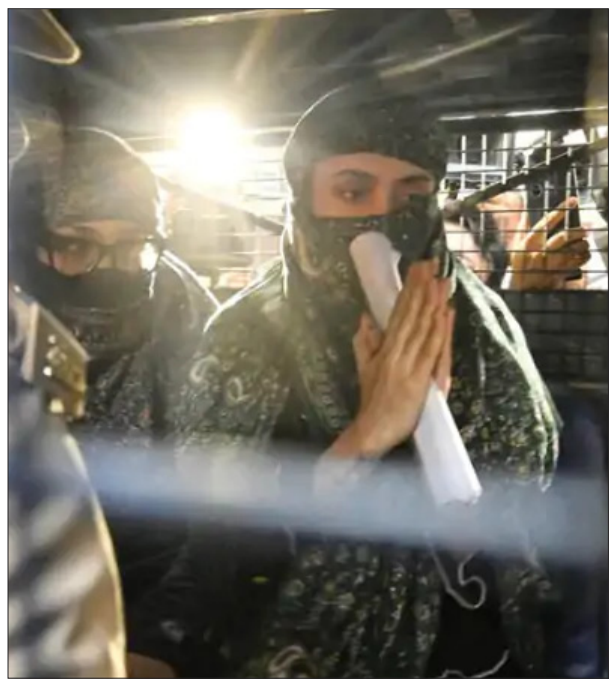

पूछताछ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मॉडल श्रद्धा दुबे को लखनऊ कोर्ट ने 10 दिन के लिए जेल भेज दिया। उसने वैन में बैठने के बाद मीडिया के सामने हाथ जोड़ लिए। उसके साथ बहन रश्मि और ड्राइवर को भी जेल भेजा गया। इससे पहले लखनऊ पुलिस श्रद्धा, बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश को नागपुर से लखनऊ लाई थी।

गुरुवार सुबह 10 बजे जब श्रद्धा हजरतगंज थाने पहुंची, तो अपना मुंह छिपाती दिखी। हाथ उठाकर नजर बचाते हुए थाने के अंदर गई। थाने में श्रद्धा से 6 घंटे 35 मिनट पूछताछ की गई। उसके अलावा बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश से भी अलग-अलग पूछताछ हुई।

सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ के दौरान श्रद्धा पुलिस के सामने चुप्पी साधे रही। बार-बार यही कहती रही कि मुझसे नहीं, मेरे वकील से बात करिए। फिर पुलिस तीनों को एक ही वैन में बैठाकर सिविल अस्पताल में मेडिकल कराने ले गई। वहां 35 मिनट तक तीनों का मेडिकल हुआ। इसके बाद तीनों को कोर्ट में पेश किया गया। श्रद्धा समेत तीनों आरोपियों को मंगलवार को नागपुर के एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया था। लखनऊ में 9 अक्टूबर को कारोबारी शिवा शर्मा की श्रद्धा के फ्लैट से गिरकर मौत हो गई थी। शिवा की मां ने श्रद्धा के खिलाफ हत्या की FIR दर्ज कराई थी, जिसके बाद से श्रद्धा फरार चल रही थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

सिविल अस्पताल में मॉडल श्रद्धा समेत अन्य आरोपियों का 35 मिनट तक मेडिकल हुआ। इसके बाद पुलिस तीनों को लेकर कोर्ट के लिए निकल चुकी है। मेडिकल के बाद मीडियाकर्मियों के सवाल का तीनों ने कोई जवाब नहीं दिया।

डीसीपी सेंट्रल ने कहा- सहयोगियों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी

डीसीपी सेंट्रल अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि शिवा शर्मा हत्याकांड में नागपुर से गिरफ्तार तीनों आरोपियों को रिमांड पर लाकर विस्तृत पूछताछ की गई है। उनके पास से बरामद दो मोबाइल फोन और अन्य सामान को सील कर दिया गया है। इसकी फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है। साथ ही, पिछले 10 दिनों के दौरान आरोपियों की किस-किस ने मदद की, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। आरोपियों की मदद करने वालों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

भारी पुलिस बल के साथ कोर्ट से बाहर निकलती श्रद्धा

आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे को कोर्ट से कड़ी सुरक्षा के बीच जेल ले जाया जाया गया। कोर्ट से निकलने के बाद श्रद्धा ने पुलिस वैन में मीडिया के सामने हाथ जोड़ लिए। श्रद्धा ने पुलिस टीम उसे लेकर रवाना हुई। इस दौरान कोर्ट परिसर से लेकर जेल तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिसकर्मी पूरे रास्ते सतर्क हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रख रहे हैं।

भारी पुलिस बल के साथ कोर्ट से बाहर निकलती श्रद्धा

आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे को कोर्ट से कड़ी सुरक्षा के बीच जेल ले जाया जाया गया। कोर्ट से निकलने के बाद श्रद्धा ने पुलिस वैन में मीडिया के सामने हाथ जोड़ लिए। श्रद्धा ने पुलिस टीम उसे लेकर रवाना हुई। इस दौरान कोर्ट परिसर से लेकर जेल तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिसकर्मी पूरे रास्ते सतर्क हैं और सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रख रहे हैं।

श्रद्धा दुबे के सिविल अस्पताल पहुंचने से पहले ही परिसर को छावनी में तब्दील कर दिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर अस्पताल में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई। परिसर में आने-जाने वालों पर नजर रखी जा रही है।

डॉ. बोले- तीनों आरोपियों की मेडिकल जांच में सब सामान्य मिला

लखनऊ के सिविल अस्पताल के निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता ने बताया कि पुलिस दो महिलाओं और एक पुरुष समेत तीन आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए लाई थी। पुलिस की मौजूदगी में तीनों की मेडिको-लीगल जांच की गई। जांच में सभी के स्वास्थ्य संबंधी मानक सामान्य पाए गए। इसके बाद पुलिस उन्हें अपने साथ ले गई। मॉडल श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर दानिश को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बलवान कुमार भारती की अदालत में पेश किया गया। तीनों आरोपियों को नागपुर से गिरफ्तार कर लखनऊ लाया गया था। कोर्ट ने तीनों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

तिरंगा फहराने के लिए परमिशन की जरूरत नहीं है : नेहा बोरा

प्रदर्शन के दौरान नेहा बोरा को हिरासत में लिया था

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। AISA अध्यक्ष नेहा बोरा ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि देश के नागरिकों को तिरंगा फहराने के लिए किसी परमिशन की जरूरत नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि 16 अक्टूबर को दिल्ली में हुई CJP की तिरंगा रैली में उनका कोई रोल नहीं था। दरअसल, बोरा ने दिल्ली पुलिस के उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें जांच के दौरान शांति बनाए रखने के लिए 10,000 का निजी मुचलका और एक जमानतदार देने को कहा गया था। कोर्ट शुक्रवार शाम 6 बजे फैसला सुनाएगा।

वहीं, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को गुरुवार को राजौरी गार्डन स्थित अपने ऑफिस में पेश होने के लिए समन भेजा था, लेकिन दोनों क्राइम ब्रांच के सामने पेश नहीं हुए। उन्होंने पुलिस से और समय मांगा है। पुलिस उन्हें नया नोटिस जारी करेगी। सरकार ने 12 अक्टूबर को जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटा दिया था।

दिल्ली हाईकोर्ट में कहा- सीजेपी के प्रदर्शन में मेरा रोल नहीं पुलिस ने नोटिस दिया था

>> (शेष पेज 06 पर)

कांग्रेस 30 साल तक सत्ता में नहीं आएगी:शाह

कहा- प्रदर्शन और धरने से कुछ नहीं होगा

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन और धरने से कुछ हासिल नहीं होता। चुनाव जीतना है तो जनता के बीच जाकर उनकी समस्याएं समझनी होंगी और कल्याणकारी योजनाओं पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, विपक्ष राजनीतिक चालबाजी और भीड़ के दम पर जनता के जनादेश को चुनौती नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण अगले 30 साल तक सत्ता में नहीं आ पाएगी। शाह दिल्ली में यमुना पुनर्जीवन से जुड़ी परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने दिल्ली जल बोर्ड की 8,941 करोड़ रुपए की 33 परियोजनाओं की शुरुआत की।

वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस- आप को घेरा

>> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

दावा-प्रियंका गांधी के बेटे की प्रदर्शनी से 70 फोटो हटाईं

नई दिल्ली। दिल्ली के बीकानेर हाउस में प्रियंका गांधी और रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा की फोटो प्रदर्शनी से 70 से ज्यादा तस्वीरें हटा दी गईं। इनमें दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों की तस्वीरें भी शामिल थीं।

नजरबंद | झड़प

आंध्र प्रदेश में निकाय चुनाव नामांकन के दौरान हिंसा

आंध्र प्रदेश। कई हिस्सों में स्थानीय निकाय चुनाव के नामांकन के दौरान गुरुवार को हिंसा हुई। सत्तारूढ़ TDP और विपक्षी YSRCP के कार्यकर्ताओं में झड़प हुई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पत्थर फेंके और गाड़ियों में तोड़फोड़ की।

तिरुपति जिले के चंद्रगिरि में झड़प के बाद दोनों गुटों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। राज्य में कई विपक्षी नेताओं को नजरबंद किया गया। बढ़ते तनाव के बीच पुलिस ने नेताओं को नोटिस दिए और अतिरिक्त जवान तैनात किए।

गुजरात के स्कूलों में बिना परमिशन बाहरी लोगों को नो-एंट्री

अहमदाबाद। गुजरात में अब सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों को बिना अनुमति एंट्री नहीं मिलेगी। सरकार ने इसके लिए एक नोटिफिकेशन जारी किया है। सरकार ने स्कूलों में प्रवेश को लेकर पूरी गाइडलाइन जारी की है। नए नियम के तहत किसी भी बाहरी व्यक्ति को स्कूल परिसर में प्रवेश के लिए प्रधानाचार्य/संस्था प्रमुख की लिखित अनुमति लेनी होगी।

2027-28 तक ब्रह्मोस नेक्स्ट जेनरेशन मिसाइल होगी तैयार

रेंज बढ़ाकर 1500केएम करना रोडमैप में शामिल

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

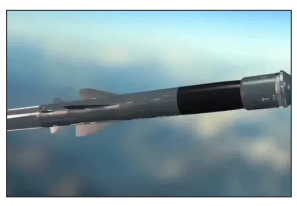

नई दिल्ली। ब्रह्मोस एयरोस्पेस 2027-2028 तक ब्रह्मोस-नेक्स्ट जेनरेशन (NG) पहला प्रोटोटाइप तैयार कर सकता है। ब्रह्मोस-NG यानी मिसाइल का छोटा और हल्का रूप है। अभी वाली ब्रह्मोस 3 टन की है, इसलिए एक सुखोई-30 पर 1 ही मिसाइल लगती है।

नई ब्रह्मोस-NG (नेक्स्ट जेनरेशन) सिर्फ 1.3 टन का होगा। सुखोई पर 3 मिसाइल लगेंगी। तेजस, राफेल जैसे छोटे फाइटर जेट पर भी लग सकेगी। यानी इसकी ज्यादा स्वदेशी, नई टेक्नोलॉजी और हल्के मटेरियल से बनेगी।

कंपनी के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. जयतीर्थ जोशी ने ANI को दिए इंटरव्यू में बताया कि मिसाइल अपनी शुरुआती 290 किमी स्ट्राइक रेंज से आगे की क्षमता दिखा चुकी है।

अब कंपनी 1500 KM रेंज वाली मिसाइल का सोच रही है, लेकिन वो अभी सिर्फ कागज पर है। इसके लिए रूस से बात चल रही है।

चीफ बोले- वजन 1.3 टन होगा इसकी शुरुआती रेंज 290केएम थी

>> (शेष पेज 06 पर)

'दुनिया बदल रही, भारत की भूमिका अहम'

पीएम मोदी बोले-कोरोना के समय जब सहयोग की जरूरत थी, तब सबने अपना स्वार्थ देखा

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। पीएम मोदी एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2026 को संबोधित कर रहे हैं। वो इवेंट के थीम के तहत दुनिया की मौजूदा राजनीति, अर्थव्यवस्था, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दुनिया भर में भारत की भूमिका पर अपनी बात रख रहे हैं। पीएम ने अपनी स्पीच की शुरुआत में कहा कि हमें दो बातों को समझना होगा। पुराना ग्लोबल ऑर्डर आज की चुनौतियों का समाधान क्यों नहीं दे पा रहा है, इस बदलती दुनिया में भारत की भूमिका क्या है। इस बार का विषय अ वर्ल्ड बिटवीन ऑर्डर्स रखा गया है, जिसके तहत दुनिया की मौजूदा राजनीति, वैश्विक अर्थव्यवस्था, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और दुनिया भर में भारत की बढ़ती भूमिका पर खास चर्चा की जाएगी। आजकल नए वर्ल्ड ऑर्डर की चर्चा भी हर कोई कर रहा क्योंकि इसका असर आम लोगों के जीवन पर पड़ रहा है। हमें समझना होगा दुनिया का वर्ल्ड ऑर्डर बदल क्यों रहा है। और इस बदलती दुनिया में भारत की भूमिका क्या है।

>> (शेष पेज 06 पर)

चुनाव से पहले नेतन्याहू ने पीएम मोदी से बात की

तेल अवीव। इजराइल में चुनाव से 5 दिन पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की है।

नेतन्याहू ने मोदी को अगले साल 12 मई को इजराइल के स्वतंत्रता दिवस पर मशाल जलाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर बातचीत की जानकारी देते हुए मोदी को अपना मित्र बताया।

>> (शेष पेज 06 पर)

पोलिश पीएम भारत आए, मोदी ने 'गुड महाराजा' का जिक्र किया

दूसरे विश्व युद्ध के बाद उन्होंने पोलैंड के 1,000 बच्चों को गुजरात में शरण दी थी

नई दिल्ली। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी से दिल्ली के हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। टस्क 21 से 23 अक्टूबर तक भारत के दौरे पर हैं। इस मुलाकात में दोनों देशों के पुराने रिश्तों की झलक भी दिखी। मोदी ने 'गुड महाराजा' का जिक्र किया। यह नाम जामनगर के महाराजा दिग्विजयसिंहजी रणजीत-सिंहजी जडेजा को दिया गया था, जिन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड के करीब 1,000 बच्चों को भारत में शरण दी थी।

भारतीय पायलट स्मित मच्छर को भी मिल चुका न्योता

नेतन्याहू ने इससे पहले फ्लाईदुबई के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से फोन पर बात की थी। उन्होंने स्मित को भारत और इजराइल के लोगों का हीरो बताया था और उन्हें इजराइल आने का न्योता दिया था। उस बातचीत में नेतन्याहू ने कहा था कि वे स्मित और अपने मित्र नरेंद्र मोदी को इजराइल के अगले स्वतंत्रता दिवस समारोह में मशाल जलाने के लिए आमंत्रित करना चाहते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

तोड़फोड़ः माइक तोड़ने और फाइलें फेंकने की कोशिश की, मार्शल्स मेयर को बचाकर बाहर ले गए

दिल्ली नगर निगम में हंगामा बीजेपी-आप के पार्षद भिड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के सदन में शुक्रवार को प्रदूषण पर बहस के दौरान हंगामे हो गया। इस दौरान पार्षदों ने माइक तोड़ने और फाइलें फेंकने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली में प्रदूषण से कैसे निपटा जाए, इस पर सदन में चर्चा होनी थी। लेकिन बैठक शुरू होते ही जोरदार हंगामा, धक्का-मुक्की और तोड़फोड़ में बदल गई।

भाजपा और आप के पार्षदों ने एक-दूसरे पर चिल्लाया, पानी फेंका और फाइलें उड़ाईं। इसमें कांग्रेस के पार्षद भी शामिल थे। हालात इतने बिगड़ गए कि मार्शलों को बीच-बचाव करके मेयर प्रवेश वाही को सुरक्षित बाहर निकालना पड़ा।

विवाद तब और बढ़ गया जब कांग्रेस नेता नाजिया दानिश और आप के अंकुश नारंग आपस में भिड़ गए। दानिश ने आप पर सवाल उठाए, तो नारंग ने उन पर भाजपा से मिले होने का आरोप लगा दिया।

इस पर पलटवार करते दानिश ने कहा कि वह शगुफ्ता चौधरी नहीं हैं, जो भाजपा में चली जाएंगी। इस तकरार से सदन का माहौल और गरमा गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

आप के पार्षद एक साथ स्पीकर की चेयर तक चले गए। उन्होंने वहां फाइलें खींचने की कोशिश की।

सदन में स्थिति को संभालने के लिए मार्शलों को अंदर आना पड़ा।

आप पार्षद मेयर की कुर्सी तक पहुंचीं

हंगामें के दौरान आप पार्षद शगुफ्ता जुबैर मेयर की कुर्सी तक पहुंच गईं। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्होंने वहां लगा माइक तोड़ने की कोशिश की। विपक्ष के नेता अंकुश नारंग पर भी माइक को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा।

दावा- आप पार्षदों ने 1 करोड़ की मांग की

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा विवाद तब शुरू हुआ जब आप पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों के विकास के लिए तुरंत फंड जारी करने की मांग की। इस पर मेयर वाही ने तुरंत 25 लाख रुपए देने का ऐलान किया और कहा कि इस वित्तीय वर्ष में पार्षदों को कुल 2 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।

मेयर के इस ऐलान से भी विपक्ष शांत नहीं हुआ। आप पार्षदों की मांग थी कि तुरंत मिलने वाले इस फंड को बढ़ाकर कम से कम 1 करोड़ रुपए किया जाए। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद और बढ़ गया।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों ने दो आतंकी मददगारों को किया अरेस्ट

तुर्किये में बनी एक पिस्टल और दो आईईडी बरामद

शिकंजा

तमसा संकेत, एजेंसी

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों ने दो संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से तुर्किये में बनी एक कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और दो IED बरामद हुए हैं। पिछले 60 दिनों में ऐसी 18 आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों ओवरग्राउंड वर्कर (OGW) के तौर पर काम कर रहे थे। उन पर आतंकियों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने में मदद करने का शक है। दोनों सोपोर के चिंकीपोरा के रहने वाले हैं। खुफिया सूचना के आधार पर सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स और बारामूला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर दोनों को डेलिना घाट के पास डारपुरा नर्सरी इलाके से गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई को कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों पर रोक लगाने और आतंकियों के मददगार नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में अहम कामयाबी माना जा रहा है। मामले की जांच जारी है।

खुफिया सूचना के आधार पर सेना ने कार्रवाई की

>> (शेष पेज 06 पर)

हेलिकॉप्टर्स ने गंगा के ऊपर दिल बनाया

करतब

आसमान से फूल बरसाए, राफेल-सुखोई की हवा में कलाबाजी, काशी में 100 विमानों का एयर शो

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में एयर शो के पहले दिन नमो घाट पर सेना के सारंग हेलिकॉप्टर्स ने गंगा के ऊपर आसमान में तिरंगा बनाया। राफेल-सुखोई ने हवा में कलाबाजी दिखाई। गुरुवार सुबह 11.50 बजे हुए इस एयर शो में 52 लड़ाकू विमानों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए।

जगुआर, मिराज-2000, तेजस और मिग-29 ने तीर की नोक के डिजाइन में उड़ान भरी। एयर शो में हेलिकॉप्टर ने गंगाजी पर फूलों की बारिश की। वहीं, चिनूक हेलिकॉप्टर ने गंगा के पानी को टच किया और फिर आसमान में उड़ गया। सारंग हेलिकॉप्टर ने गंगा के ऊपर दिल बनाया। 100 विमानों के इस एयर शो में लड़ाकू विमानों के अलावा 15 परिवहन विमान, 32 हेलिकॉप्टर और विंटेज विमान शामिल रहे। ये विमान देशभर के 12 एयरपोर्ट से उड़ान भरकर पहुंचे हैं।

सारंग हेलिकाप्टर ने गंगा जी पर फूल बरसाए। इस दौरान लोगों ने भारत माता की जय के नारे भी लगाए।

काशी में एयरफोर्स के 94वें स्थापना वर्ष पर एयर शो किया जा रहा है। भारतीय वायुसेना ने 'विंग्स ओवर गंगा' एयर शो नाम दिया है। यह अभी 23 और 25 अक्टूबर को भी होगा। करीब 20 लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। 25 अक्टूबर को एयर शो में PM मोदी भी पहुंचेंगे। भारतीय वायुसेना के एडवांस्ड जेट ट्रेनर विमान BAE हॉक Mk.132 ने नमो घाट के ऊपर से उड़ान भरी। विमान की तेज रफ्तार और शानदार हवाई प्रदर्शन देखकर घाट पर मौजूद लोग रोमांचित हो उठे। विमान के गुजरते ही लोगों ने तालियां बजाकर उत्साह जताया। फाइटर चैट आसमान में करतब दिखाकर रहे हैं।

अलकनंदा के ऊपर वायुसेना का अनोखा नजारा

अलकनंदा क्षेत्र के ऊपर भारतीय वायुसेना के दो चिनूक और दो एएलएच (ALH) मार्क-IV हेलीकॉप्टरों ने उल्टे 'विक्ट्री फॉर्मेशन' में उड़ान भरी। इस दुर्लभ हवाई संरचना में एक चिनूक हेलीकॉप्टर पीछे की ओर तैनात रहा और विशेष उड़ान का हिस्सा बना। आसमान में हेलीकॉप्टरों की इस अनूठी संरचना ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

> सारंग हेलिकॉप्टरों ने नमो घाट पर गंगा के ऊपर आसमान में दिल बनाया। इस दौरान घाट पर मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। भारत माता की जय के नारे लगाए।

हेलिकॉप्टरों ने गंगा जी पर फूल बरसाए

तीन हेलिकाप्टरों ने फूल बरसाकर मां गंगा की आराधना की। इस दौरान मां तुझे सलाम गाना बजता रहा। लोगों ने इस नजारे को अपने मोबाइल में कैद किया। चिनूक हेलिकॉप्टर ने गंगा को टच करते हुए निकल गया। इस दौरान लोगों ने जय हिंद और भारत माता की जय के नारे लगाए। एयर फोर्स के सैनिक पूरे एयर शो पर नजर रखे हुए हैं। आपस में कोऑर्डिनेशन के साथ-साथ वीडियोग्राफी भी कर रहे हैं।

चिनूक हेलिकॉप्टर ने गंगा के पानी को टच किया। फिर ऊपर आसमान में उड़ गया।

इसे देखकर लोग चिल्ला रहे हैं और ताली बजाकर वायुसेना के इस प्रदर्शन का आनंद ले रहे हैं।

स्वास्थ्य और सुरक्षा को देखते हुए हर घाट पर मेडिकल स्टूडेंट्स को तैनात किया गया है।

वाराणसी में एयर शो के लिए 11,900 पुलिसकर्मी तैनात

घाटों से शहर तक चप्पे-चप्पे पर प्रशासन की नजर

तमसास संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के नमो घाट पर आज (गुरुवार 22 अक्टूबर) से शुरू हो रहे भव्य एयर शो को लेकर सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत चाक-चौबंद कर दी गई है। वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया आयोजन की सुरक्षा और व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए बताया कि दर्शकों की भारी भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक तैयारियां की गई हैं। महाकुम्भ के तर्ज पर 11,900 पुलिसकर्मी वाराणसी में अलग अलग पॉइंट पर तैनात किए गए हैं। व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचने के लिए पूरे क्षेत्र में 79 अस्थायी पुलिस थाने स्थापित किए गए हैं। इनमें से 48 थाने नगर क्षेत्र में और 31 थाने घाट क्षेत्र में बनाए गए हैं, ताकि चप्पे-चप्पे पर नजर रखी जा सके।

ये सभी थानों की तरह ही संचालित होंगे और सभी की जिम्मेदारी इंस्पेकटर रैंक के अधिकारियों को दी गई है। ताकि किसी भी अप्रिया घटना को तुरंत हैंडिल किया जा सके।

सीपी ने बताया - एयर शो के दौरान सुरक्षा का घेरा मजबूत रखने के लिए 11,900 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। उत्तर प्रदेश पुलिस के अलावा इस महा-आयोजन की सुरक्षा में कई विशेष सुरक्षा एजेंसियाँ और बल भी शामिल रहेंगे। सुरक्षा दस्ते में मुख्य रूप से शामिल हैं।

फास्ट न्यूज

रामनगर में स्नातक-शिक्षक चुनाव की तैयारी पूरी

रामनगर । रामनगर, बाराबंकी। लखनऊ खंड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर रामनगर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शुक्रवार को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। रामनगर ब्लॉक के स्नातक और शिक्षक मतदाताओं के लिए यूनियन इंटर कॉलेज को बृहस्पतिवार को मतदान केंद्र बनाया गया है। मतदान कराने के लिए पोलिंग पार्टियां केंद्र पर पहुंच गईं।

गोरखपुर में शिक्षक एमएलसी चुनाव

गोरखपुर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के लिए तैयारी पूरी हो गई है। 17 जिलों के 200 बूथों पर 23 अक्टूबर की सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। प्रत्याशी आज व्यक्तिगत जनसंपर्क में जुटे हैं। इस बार 54 हजार 910 शिक्षक मतदान करेंगे। पिछले चुनाव की तुलना में यह संया लगभग 15 हजार अधिक है। 16 प्रत्याशियों के भाग्य शुक्रवार को मतपेटिका में बंद हो जाएंगे।

इस चुनाव में बूथ पर पहुंचने वाले मतदाताओ को चुनाव आयोग की ओर से उपलब्ध कराए जाने वाले पेन से मतदान करना होगा। बैलेट पेपर पर प्रत्याशी का नाम और उसका दल लिखा होगा।

बाराबंकी में कार और रोडवेज बस की आमने-सामने भिड़ंत

बाराबंकी । बाराबंकी में गोंडा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार सुबह करीब 8:30 बजे कार और रोडवेज बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसा शाहवपुर नहर के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार सवार तीन लोग घायल हो गए। इनमें अंकित वैश्य की हालत गंभीर बताई गई है।

ग्रामसभा बाँधुर बुजुर्ग में सहकारी समिति स्थापित कराए जाने की मांग

> किसानों की खाद समस्या के निदान हेतु बाँधुर में सहकारी समिति स्थापित करने की मांग उठाई है

तमसा संकेत, संवाददाता

महोबा । बुन्देलखण्ड उत्थान संस्था के संथापक डॉ0 रोहित सिंह राजवात ने बुन्देलखण्ड क्षेत्र के जनपद हमीरपुर के बाँधुर ग्रामसभा अंतर्गत क्षेत्र के किसानों को खाद की समस्या की आवाज उठाकर ग्रामसभा बाँधुर बुजुर्ग में सहकारी समिति स्थापित कराए जाने की मांग की है इस सम्बंध में उन्होंने उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण लिमिटेड के निदेशक एवं प्रदेश महामंत्री सहकार भारती डॉ0 प्रवीण सिंह जादौन के बुन्देलखण्ड दौरे के दौरान मुलाकात कर उन्हें पत्र सौंपकर गाँव में सहकारी समिति की स्थापना हेतु पहल करने का अनुरोध किया है।

डॉ0 राजावत ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि ग्राम बाँधुर एवं आस-पास के किसान खाद एवं बीज की उपलब्धता न होने से हर वर्ष परेशान रहते हैं। सहकारी समिति बनने से किसानों को समय से खाद व बीज उचित मूल्य पर मिल सकेगा जिससे उनकी खेती की लागत कम होगी और उपज में वृद्धि होगी।

उन्होंने निदेशक डॉ0 प्रवीण सिंह जादौन को यह भी अवगत कराया कि पूर्व में ग्राम बाँधुर बुजुर्ग में सहकारी समिति हेतु प्रस्तावित जमीन चिन्हित की गई थी, जहाँ समिति भवन का फाउंडेशन भी निर्मित है। यदि शासन-प्रशासन सहयोग करे तो वहीं समिति स्थापित कर उसमे खाद वितरण कार्य शुरू करवाया जा सकता है जिससे किसानों को शीघ्र राहत पहुँचाई जा सकती है।

गर्लफ्रेंड बनाने में कोई बुराई नहीं, शादी का वादा किया तो पूरा करो

लड़की को मां बनाकर मत छोड़ो : राज्यपाल

तमसास संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने कहा कि13-14 साल की उम्र में किसी लड़की को मां बनाकर छोड़ना गलत है। गर्लफ्रेंड बनाने में बुराई नहीं है। लेकिन शादी का वादा किया है तो उसे निभाना जरूरी है। युवाओं को पहले आत्मनिर्भर बनना चाहिए, ताकि वे परिवार की जिम्मेदारी उठा सकें।

राज्यपाल गुरुवार को लखनऊ में महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के 7वें दीक्षांत समारोह में बोल रही थीं। इस दौरान प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय भी मौजूद थे। समारोह में 2,279 स्टूडेंट्स को डिग्री और डिप्लोमा दिए गए। यूनिवर्सिटी कैंपस में मिनी एक्सपो भी लगाया गया था। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने तीन महीने पहले कहा था कि लड़कियां पढ़ाई के दौरान प्रेग्नेंट हो जाती हैं। कइयों को बच्चा भी हो जाता है। उस बच्चे की जिम्मेदारी जानते हैं किस पर जाती है? सरकार पर जाती है। ऐसा पराक्रम आप लोग मत करिए। दूर रहिए इन पराक्रमों से। वह डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति के तौर पर बोल रही थीं। आनंदी बेन ने कहा था- मैं लव मैरिज के खिलाफ नहीं हूं, आप करिए लव मैरिज। आपको उनसे प्रेम है, उनको आपसे प्रेम है तो शादी करिए। लेकिन, शादी तभी करिए जब आत्मनिर्भर हो जाइए। मेरा बेटा बेंगलुरु पढ़ने गया। मैंने उससे कह दिया था कि अगर कोई लड़की पसंद आए तो बता देना, शादी करा देंगे। उसे कोई पसंद ही नहीं आई।

राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं में यह भरोसा जगाया है कि वे कुछ भी कर सकते हैं। भारत को 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए सरकार युवाओं को जरूरी संसाधन उपलब्ध करा रही है।

गलत कामों में हिस्सा न लें, दूसरों को भी रोकें: राज्यपाल

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विद्यार्थियों से अपील की कि वे गलत कामों में कभी हिस्सा न लें और न ही किसी को ऐसा करने दें। समाज में धोखाधड़ी और दूसरी गलत गतिविधियों को रोकना जरूरी है। इसके लिए अच्छे लोगों की संख्या बढ़ानी होगी और विद्यार्थियों को भी इस मुहिम से जोड़ना होगा। राज्यपाल ने तालाब का उदाहरण देते हुए कहा कि अगर लोग उसमें लगातार गंदगी डालते रहेंगे, तो पानी दूषित हो जाएगा। वहीं, उसे साफ रखने का प्रयास किया जाए, तो पानी शुद्ध बना रह सकता है। इसी तरह ज्ञान और अच्छे विचारों को लगातार बढ़ावा देना चाहिए। सही ज्ञान बढ़ेगा, तभी समाज आगे बढ़ेगा।

बैग उतारते समय स्कूल वैन के नीचे आई, ड्राइवर कुचलता चला गया

प्रयागराज में 8 साल की छात्रा को वैन ने रौंदा

तमसास संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज से 8 साल की छात्रा स्कूल वैन ने कुचल दिया। ड्राइवर को इसका पता भी नहीं चला। बच्ची की चीख-पुकार सुनकर उसे गाड़ी के नीचे से निकालकर अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। बच्ची दिल्ली पब्लिक स्कूल में कक्षा-3 में पढ़ती थी। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने स्कूल वैन ड्राइवर को पकड़ लिया। उसे गाड़ी में बंद कर पुलिस के हवाले कर दिया। बच्ची का शव देखते ही मां बेहोश हो गई। हादसा प्रयागराज के नैनी थाना क्षेत्र में गुरुवार दोपहर 3:30 बजे हुआ।

प्रयागराज के नैनी इलाके में प्रयाग पुरम की रहने वाली तस्वनी उदयांसी पाठक दिल्ली पब्लिक स्कूल (DPS) में पढ़ती थी। उसके पिता मनीष कुमार पाठक दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करते हैं। मां आरती दुबे गोरखपुर में सरकारी टीचर है। इन दिनों छुट्टी घर आई हैं। उदयांसी अपने माता-पिता की इकलौती बेटी थी।

माता-पिता के बाहर नौकरी करने की वजह से बच्ची अपने दादा सुरेश पाठक और दादी कादंबनी पाठक के साथ रहती थी। सुरेश पाठक मूल रूप से मिर्जापुर के रहने वाले हैं, लेकिन अब प्रयागराज में बस चुके हैं। वह सेक्शन इंजीनियर पद से रिटायर्ड हुए हैं। घरवालों ने बच्ची को स्कूल आने-जाने के लिए वैन लगा रखी थी।

> नैनी इंस्पेक्टर अविनाश कुमार सिंह ने बताया- हादसे में बच्ची की मौत हुई है। चालक को पकड़ लिया गया है। उससे पूछताछ की जा रही है। बच्ची के घर पर फोर्स मौजूद है। अभी बच्ची के परिवार रो रहे हैं, इसलिए शव का पोस्टमॉर्टम कराने को लेकर बात नहीं हो सकी है।

दादी बोलीं- गाड़ी और दीवार के बीच फंस गई थी बच्ची

बच्ची की दादी कादंबनी पाठक ने बताया- उदयांसी स्कूल से आने के बाद घर के दरवाजे पर वैन से उतरी। वह वैन से उतरकर अपना बैग निकाल रही थी। बच्ची दीवार की तरफ खड़ी थी। इसी बीच उसका बैग वैन में फंस गया। ड्राइवर ने तेज रफ्तार में गाड़ी पीछे की, तो बच्ची उसकी चपेट में आकर दीवार से जा टकराई। वह गाड़ी और दीवार के बीच फंस गई। हादसे के बाद मौके पर खून बिखर गया। इसके बाद हम लोग बच्ची को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची का शव घर पहुंचा, तो चीख-पुकार मच गई। पूरा परिवार बदहवासी की हालत में चीखता रहा। मां की हालत खराब हो गई। वह कई बार बेहोश हो गई।

बच्ची की मौत के बाद पूरा परिवार बदहवासी की हालत में चीखता रहा। मां की रो-रोकर हालत खराब हो गई।

बच्ची के चाचा पुष्पेंद्र पाठक बच्ची को गोद में लेकर रोते रहे। उन्होंने बताया कि बच्ची को प्यार से सब लोग ताशी बुलाते थे। कल वह परिवार के साथ दशहरा मेला घूमने गई थी। बहुत सारा सामान खरीदा था। आज उसकी मौत हो गई।

राम-लक्ष्मण के सामने भरत शत्रुघ्न जमीन पर लेटे

वाराणसी में भरत मिलाप देखने विदेशी भी आए

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में 484 साल पुरानी भरत मिलाप लीला हुई। भगवान श्रीराम और लक्ष्मण पुष्पक विमान से लीला स्थल पहुंचे। करीब 5 टन वजनी पुष्पक विमान को यादव बंधु कंधों पर उठाकर लाए।

राम-लक्ष्मण का स्वागत करने के लिए भरत और शत्रुघ्न जमीन पर लेट गए। दोनों छोटे भाइयों को देखकर राम और लक्ष्मण रथ से उतरकर दौड़ पड़े। राम और लक्ष्मण ने दोनों भाइयों को जमीन से उठाया। फिर राम ने भरत और लक्ष्मण ने शत्रुघ्न को गले से लगा लिया। चारों भाइयों के मिलन के बाद मैदान जय श्रीराम के जयकारे से गूंज गया। गुरुवार शाम 4.40 बजे हुई इस लीला ने भाइयों के प्रेम, त्याग और समर्पण का संदेश दिया। भरत मिलाप देखने करीब 1 लाख से ज्यादा लोग पहुंचे। विदेशी पर्यटक भी काफी संख्या में आए। काशी नरेश कुंवर अनंत नारायण सिंह हाथी पर सवार होकर पहुंचे। चारों भाइयों भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न को रथ पर सवार कराया गया। इसके बाद रथ को लीला मैदान में घुमाया गया। भरत मिलाप लीला में रथ उठाने पहुंचे छोटे बच्चे अथर्व यादव ने उत्साह के साथ जय श्रीराम का उद्घोष किया। रिपोर्टर से बातचीत में अथर्व ने बताया कि वह रथ उठाने आया था और उसने रथ उठाया भी। जब उससे जय श्रीराम और हर-हर महादेव बोलने को कहा गया, तो उसने पूरे उत्साह से दोनों उद्घोष किए।

घटना: 3 केएम दूर से दिखा धुएं का गुबार, ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर फायर फाइटर्स अंदर घुसे

वाराणसी में चार मंजिला दो बिल्डिंग में भीषण आग लगी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में गुरुवार दोपहर 2 बजे 4 मंजिला दो बिल्डिंग में भीषण आग लग गई। आग ग्राउंड फ्लोर पर झाड़ू और पेंट की दुकान से भड़की। देखते ही देखते आग ने बगल की ज्वैलरी शॉप को चपेट में ले लिया। इन दोनों बिल्डिंग के ऊपर 3-3 फ्लोर के 2 गेस्ट हाउस चल रहे थे। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। धुएं का गुबार 3 km दूर से दिखाई दिया। इस दौरान एक युवक पहली मंजिल पर फंस गया। जिसे दमकलकर्मियों ने सीढ़ी लगाकर सुरक्षित उतार लिया। एक व्यक्ति के गेस्ट हाउस में फंसने का वीडियो सामने आया है।

हालांकि, वह रेलिंग के सहारे बगल वाली बिल्डिंग में कूद गया। मौके पर भारी पुलिस बल और फायर ब्रिगेड की 5 गाड़ियां पहुंचीं। डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने पर रास्तों को बैरिकेडिंग कर बंद कर दिया गया। घटना गोदौलिया चौराहे की है। यहां से काशी विश्वनाथ मंदिर सिर्फ 500 मीटर और नमो घाट 2 किलोमीटर दूर है। सतराम होटल्स और ज्वेलरी शोरूम संचालक दीपक सिंह ने बताया कि आग लगने के समय उनके गेस्ट हाउस में 5-6 लोग रुके थे। आग की शुरुआत होते ही तुरंत सभी कमरों को खाली कराया और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद बिल्डिंग का AC बंद कर सभी लोग बाहर आ गए।

दीपक ने बताया- ज्वेलरी शोरूम में मैं, मेरे भाई और स्टाफ समेत करीब 8 लोग मौजूद थे। सभी समय रहते बाहर निकल आए।यहां से महज 50 मीटर की दूरी पर गोदौलिया चौराहा है। करीब 500 मीटर दूर काशी विश्वनाथ मंदिर और दो किमी दूर नमो घाट है, जहां आज एयरशो चल रहा है। भीषण आग के बाद एहतियातन आसपास की दुकानों और घरों को खाली करा दिया गया। आग की लपटें तेजी से फैलने और धुएं का गुबार उठने के कारण आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। पुलिस ने इलाके में लोगों की आवाजाही रोक दी है और सभी को सुरक्षित दूरी पर रहने की हिदायत दी है।

दीपक सिंह बोले- फायर ब्रिगेड को आने में 45 मिनट लगा

सतराम सिंह ब्रदर ज्वैलर्स के दीपक सिंह ने कहा- फायर ब्रिगेड की गाड़ी आने में 40 से 45 मिनट का समय लग गया। इसलिए आग ज्यादा फैल गई। जिस दुकान से आग लगी, वहां आग बुझाने के लिए कोई भी व्यवस्था नहीं थी। हमने अपने पास से फायर एक्सटिंग्विशर दी, उससे आग बुझ नहीं पाई।

सतराम सिंह ब्रदर ज्वैलर्स के मालिक बोले- करोड़ों का नुकसान हुआ

सतराम सिंह ब्रदर ज्वैलर्स के मालिक जोगिंदर सिंह ने बताया कि हमारा करोड़ों का नुकसान हुआ है। सारा सामान जल गया है। ऊपर मेरा ही गेस्ट हाउस था, वह भी पूरी तरीके से खत्म हो चुका है। मैंने 2019 में ये दुकान और गेस्ट हाउस शुरू किया था।

एशियन पैरा गेम्स में सुहास एलवाई ने जीता कांस्य पदक

सुहास एलवाई की सफलता दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम की प्रेरणा- सीएम

> एशियन पैरा गेम्स-2026 में यूपी का जलवा, पदक जीतने पर सीएम योगी ने सुहास एलवाई और सुवर्णा राज को दी बधाई
>
> सुवर्णा राज ने डिस्कस थ्रो एफ54 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर बढ़ाया देश का मान
>
> सुवर्णा राज की स्वर्णिम उपलब्धि ने बेटियों के सपनों को दी नई उड़ान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एशियन पैरा गेम्स-2026 में शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाने वाले सुहास एलवाई और सुवर्णा राज को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आईएएस अधिकारी एवं उत्तर प्रदेश खेल विभाग के सचिव सुहास एलवाई ने पुरुष एकल SL4 पैरा-बैडमिंटन स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। जबकि सुवर्णा राज ने महिलाओं की डिस्कस थ्रो F54 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा कि एशियन पैरा गेम्स-2026 में पुरुष एकल SL4 पैरा-बैडमिंटन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर सुहास एलवाई को हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा कि सुहास की यह उपलब्धि दृढ़ संकल्प और अथक परिश्रम से सपनों को साकार करने की प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत मंगलकामनाएं भी व्यक्त की। सीएम योगी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए एशियन पैरा गेम्स-2026 में महिलाओं की डिस्कस थ्रो F54 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली सुवर्णा राज को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि अथक परिश्रम और अटूट संकल्प से अर्जित सुवर्णा की यह स्वर्णिम उपलब्धि असंख्य बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने वाली है।

देवेंद्र प्रताप के सपा समर्थन और रामनगर में प्रद्युम्न यादव की सक्रियता से बदला माहौल

शिक्षक एमएलसी चुनाव में अंतिम दौर का 'सियासी खेल'

चुनौती

- अपनों की सक्रियता ने बढ़ाई दलों की चिंता
- अंबेडकरनगर में भाजपा के चुनावी प्रबंधन पर सवाल

बृजेंद्र वीर सिंह

गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 23 अक्तूबर को मतदान होगा। अंबेडकरनगर में नौ मतदान केंद्र बनाए गए हैं। मतदान के बाद 27 अक्तूबर को मतगणना होगी।

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में मतदान से ठीक पहले सियासी गतिविधियां तेज हो गई हैं। भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी और सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी के बीच मुकाबले के बीच नेताओं की अलग-अलग गतिविधियां भी चर्चा में हैं। भाजपा के एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के सपा प्रत्याशी के समर्थन में उतरने की खबर ने पार्टी के सामने नई चुनौती खड़ी की है।

डॉ. संजयन त्रिपाठी पहले भाजपा से टिकट के दावेदार थे। टिकट नहीं मिलने के बाद उन्होंने निर्दलीय नामांकन किया था। इसके बाद सपा ने उन्हें अपना प्रत्याशी बना दिया। इस घटनाक्रम से चुनाव का मुकाबला पहले के मुकाबले अलग राजनीतिक समीकरण में पहुंच गया। रामनगर क्षेत्र में समाजवादी युवजन सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रद्युम्न यादव उर्फ बबलू के निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव उर्फ राजू यादव के समर्थन में प्रचार करने की बात भी सामने आई है। इससे स्थानीय स्तर पर चुनावी समीकरण को लेकर चर्चा तेज हुई है। हालांकि, किसी नेता के समर्थन से किसी प्रत्याशी को कितने मतों का लाभ होगा, इसका आकलन मतदान से पहले करना संभव नहीं है। शिक्षक मतदाताओं का रुख ही अंतिम तस्वीर स्पष्ट करेगा।

अंतिम दिन की बैठक में मतदाताओं की संख्या पर उठे सवाल

अंबेडकरनगर में प्रचार के अंतिम दिन भाजपा की ओर से शिक्षकों की बैठक किए जाने की जानकारी सामने आई। बैठक में अपेक्षा के अनुरूप मतदाता नहीं पहुंचने का दावा किया जा रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि मौजूद शिक्षकों में कुछ संबंधित निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता नहीं थे। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। इसी के साथ मंडलवार बैठकों और मतदाताओं से सीधे संपर्क को लेकर भी स्थानीय स्तर पर चर्चा है। दूसरी ओर, भाजपा ने निर्वाचन क्षेत्र में मंडल और बूथ स्तर तक संपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं।

देवेंद्र प्रताप के समर्थन से भाजपा के सामने नई चुनौती

भाजपा एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी के समर्थन में प्रचार और शिक्षकों से उनके पक्ष में मतदान की अपील किए जाने की खबर सामने आई है। यह घटनाक्रम मतदान से महज एक दिन पहले सामने आया है।

जमीन विवाद में मारपीट का आरोप पुलिस से कार्रवाई की उठी मांग

शिवतारा कुटिया में निर्माण और रास्ते को लेकर विवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर थाना क्षेत्र के शिवतारा कुटिया में जमीन और रास्ते को लेकर विवाद बढ़ गया है। सुरेंद्र की पत्नी निर्मला ने आशीष कुमार, रीता देवी, दुर्गावती और मनभावती पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि मामले की शिकायत आलापुर थाने में की गई है और घटना से संबंधित वीडियो भी पुलिस को दिया गया है। सुरेंद्र का आरोप है कि उनकी गैरमौजूदगी में जमीन पर बाहरी लोगों को बुलाकर निर्माण कराया गया। निर्माण के कारण आने-जाने का रास्ता अवरुद्ध होने की बात भी कही गई है। परिवार की महिलाओं ने निर्माण का विरोध किया तो विवाद बढ़ गया और निर्मला के साथ मारपीट का आरोप है। परिवार का दावा है कि निर्माण हटाने के दौरान का वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ है। हालांकि, वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। निर्मला ने शिकायत के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने का दावा किया है। वहीं, पुलिस की ओर से मामले में की गई कार्रवाई की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। आरोपित पक्ष का पक्ष भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

सुरेंद्र ने विवाद को लेकर अप्रिय घटना की आशंका जताते हुए पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

फास्ट न्यूज

शिक्षक एमएलसी चुनाव में गरमाया माहौल

अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 को लेकर जिले में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। सपा जिलाध्यक्ष जंग बहादुर यादव की ओर से जिला विद्यालय निरीक्षक कौस्तुभ सिंह पर लगाए गए आरोपों पर डीआई-ओएस ने पलटवार किया है। उन्होंने आरोपों को निराधार बताते हुए सपा जिलाध्यक्ष से उन्हें साबित करने के लिए लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने को कहा।

25 साल बाद भी अनसुलझा उतरेथू के ऐतिहासिक टीले का रहस्य

अंबेडकरनगर। टांडा तहसील क्षेत्र के उतरेथू गांव स्थित प्राचीन टीले को लेकर करीब 25 साल से चल रहा इंतजार अब फिर चर्चा में है। स्थानीय लोगों के अनुसार, टीले के पास करीब 15 फीट खुदाई में किले जैसी मोटी दीवार के अवशेष मिले थे। इसके बावजूद स्थल का व्यवस्थित पुरातात्विक सर्वेक्षण या वैज्ञानिक उत्खनन अब तक नहीं हो सका है। उपलब्ध प्रशासनिक दस्तावेजों के अनुसार, तत्कालीन एसडीएम टांडा शिशिर सिंह ने 4 जून 2001 को जिलाधिकारी को भेजे पत्र में टीले के ऐतिहासिक महत्व और कथित दीवार के अवशेष मिलने का उल्लेख किया था।

मिट्टी की सेहत बचाने को अंबेडकरनगर में चलेगा 'धरती बचाओ' अभियान

अंबेडकरनगर। खेतों की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए कृषि विभाग जिले में 'धरती बचाओ' अभियान चलाएगा। अभियान के तहत किसानों को मिट्टी की गुणवत्ता बनाए रखने, संतुलित मात्रा में उर्वरकों के इस्तेमाल और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। विभाग जैविक खाद, फसल चक्र और जल संरक्षण को भी बढ़ावा देगा।

मूर्ति विसर्जन के दौरान बिछड़ा तीन साल का मासूम

तमसा संकेत, संवाददाता

घंटाघर पर ड्यूटी में तैनात महिला उपनिरीक्षक ने बच्चे को सुरक्षित पिंक बूथ पहुंचाया, सत्यापन के बाद परिजनों को सौंपा

अंबेडकरनगर। कोतवाली टांडा क्षेत्र के चौक घंटाघर पर बुधवार को मूर्ति विसर्जन ड्यूटी के दौरान परिजनों से बिछड़े तीन वर्षीय मासूम को पुलिस ने सकुशल उसके पिता से मिला दिया। बच्चे के मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली।

मूर्ति विसर्जन ड्यूटी में तैनात उपनिरीक्षक वंदना मौर्या को एक बच्चे के परिजनों से बिछड़ने की सूचना मिली। उन्होंने तत्काल बच्चे को सुरक्षित पिंक बूथ चौक पर पहुंचाया। इसके बाद बच्चे से मिली जानकारी और आवश्यक पूछताछ के आधार पर उसके परिजनों की तलाश शुरू की गई। पुलिस के प्रयास से बच्चे की पहचान अनिक यादव पुत्र रामनेवल यादव, निवासी नैपुरा, थाना कोतवाली टांडा के रूप में हुई। पुलिस ने बच्चे के पिता को बुलाकर आवश्यक सत्यापन और पूछताछ की।

एनएमएमएस परीक्षा में सफलता के लिए विद्यार्थियों को सिखाई परीक्षा रणनीति

तमसा संकेत, संवाददाता

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में प्रशिक्षण, ओएमआर भरने से लेकर समय प्रबंधन तक दी गई जानकारी

अंबेडकरनगर। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति (एनए-मएमएस) परीक्षा की तैयारी को लेकर बृहस्पतिवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, अकबरपुर में जनपद स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडलीय मनोविज्ञान केंद्र, अयोध्या के तत्वावधान में हुए कार्यक्रम में विद्यार्थियों को परीक्षा की रणनीति, ओएमआर शीट भरने और प्रश्न हल करने के तरीके बताए गए।

मुख्य वक्ता एवं विशेषज्ञ डॉ. जंगजीत कुमार ने विद्यार्थियों को नियमित अभ्यास, पाठ्यक्रम की समझ और तार्किक क्षमता विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने ओएमआर शीट में रोल नंबर और अन्य विवरण सही ढंग से भरने तथा उत्तर विकल्प को निर्धारित तरीके से चिह्नित करने की जानकारी दी। कठिन प्रश्नों में समय न गंवाने और समय के अनुसार प्रश्न हल करने की रणनीति भी बताई।

जनपद नोडल समन्वयक नीरज यादव ने बताया कि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहन देना है। उन्होंने शिक्षकों से पात्र विद्यार्थियों को नियमित मार्गदर्शन देने की अपील की। कार्यक्रम प्रभारी विभा सिंह ने मार्गदर्शन को विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रधानाचार्या रेनू वर्मा ने विद्यार्थियों से अनुशासन और नियमित अध्ययन के साथ परीक्षा की तैयारी करने को कहा।

एक ही रात तीन दुकानों में धावा छत तोड़कर घुसे चोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राजेसुल्तानपुर के सिंघलपट्टी बाजार में बुधवार रात चोरों ने एक के बाद एक तीन दुकानों को निशाना बनाया। चोर छत के ऊपर बने जीने का एलबेस्टर तोड़कर दुकानों में दाखिल हुए। किराना दुकान से 22 हजार रुपये नकद व सामान, जनसेवा केंद्र से 25 हजार रुपये और फास्ट फूड की दुकान से मशीन व बर्तन समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए। सुबह दुकान खोलने पहुंचे संचालकों को घटना की जानकारी हुई।

थाना क्षेत्र के भरतपुर गांव निवासी ओमप्रकाश की सिंघलपट्टी में बड़ौदा यूपी बैंक के पास किराना की दुकान है। बुधवार रात करीब साढ़े आठ बजे वह दुकान बंद कर घर चले गए। बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे पहुंचे तो अंदर का दरवाजा टूटा मिला और सामान बिखरा था। जांच करने पर करीब 22 हजार रुपये नकद के साथ काजू, बादाम, तेल समेत अन्य सामान गायब मिला।

इसी मकान में बाबूलाल जनसेवा केंद्र चलाते हैं। उनकी दुकान का दरवाजा भी टूटा मिला। बाबूलाल के अनुसार, दुकान से करीब 25 हजार रुपये नकद चोरी हुए हैं। मकान मालिक संतोष मिश्रा की फास्ट फूड की दुकान से मशीन, बर्तन समेत अन्य सामान चोर उठा ले गए।

पीड़ितों के अनुसार, चोर छत के ऊपर बने जीने के एलबेस्टर को तोड़कर अंदर घुसे थे। घटना की सूचना डायल 112 पर दी गई।

आस्था के बीच डीएम-एसपी ने रात में घाट पहुंचकर परखी सुरक्षा व्यवस्था

मां की विदाई में नम हुईं आंखें, 'जय माता दी' के जयकारों से गूंजा श्रवण धाम

तमसा संकेत, संवाददाता

नवरात्र की आराधना के बाद विसर्जन की तैयारी

"अधिकारियों ने विसर्जन स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने और किसी भी स्थिति में अव्यवस्था न होने देने को कहा। पुलिस और प्रशासन की टीम को लगातार निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

अंबेडकरनगर। नवरात्र में नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना के बाद अब विदाई की बेला आ गई है। मां की प्रतिमा को विसर्जन के लिए लेकर पहुंचे श्रद्धालुओं की आंखें भावुक नजर आईं। 'जय माता दी', 'मां दुर्गा की जय' के जयकारों और ढोल-नगाड़ों के बीच श्रद्धालुओं ने मां को विदाई दी। श्रवण धाम स्थित घाट पर आस्था और भावनाओं का ऐसा संगम दिखा कि प्रतिमा विसर्जन के दौरान कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं।

इसी बीच बुधवार रात जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के श्रवण धाम स्थित प्रतिमा विसर्जन स्थल पर पहुंचीं। दोनों अधिकारियों ने घाट पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था, श्रद्धालुओं की भीड़ और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद जिम्मेदारों से विसर्जन को लेकर की गई तैयारियों की जानकारी ली।

डीएम और एसपी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की आस्था और धार्मिक परंपरा के बीच सुरक्षा व्यवस्था में कोई कमी न रहे। घाट पर भीड़ को व्यवस्थित रखने, आवागमन सुचारु बनाए रखने और विसर्जन के दौरान सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

मां की विदाई के दौरान घाट पर भक्ति, उल्लास और भावुकता का मिला-जुला माहौल नजर आया। श्रद्धालु मां से सुख-शांति की कामना करते हुए अगले वर्ष फिर आने का आह्वान करते दिखे।

रामलीला में भरत मिलाप और राजतिलक का सजीव मंचन, श्रद्धालुओं ने की पुष्पवर्षा

राम से मिलते ही भरत की आंखों में छलके भाव

तमसा संकेत, संवाददाता

जलालपुर, अंबेडकरनगर। रामलीला मैदान में बुधवार रात भरत मिलाप का दृश्य ऐसा सजा कि मंच पर राम-भरत के मिलन के साथ श्रद्धालुओं की भावनाएं भी उमड़ पड़ीं। श्री रामलीला सेवा समिति की ओर से आयोजित रामलीला में पूजन-अर्चन के बाद भरत मिलाप और राजतिलक का मंचन हुआ। प्रसंग के दौरान श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर जय श्रीराम के जयकारे लगाए। भरत की भूमिका विकास उपाध्याय ने निभाई। उनके अभिनय की दर्शकों ने खूब सराहना की। राधेश्याम शुक्ल, विकास निषाद, अरुण मिश्र और अनिल कुमार समेत अन्य लोगों ने पुष्पवर्षा की। पूरे कार्यक्रम के दौरान रामलीला मैदान जयकारों से गूंजता रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संजीव मिश्र ने की। इस दौरान रामचंद्र जायसवाल, मनोज मेहरोत्रा, अतुल जायसवाल, आशाराम मौर्य, कृष्ण गोपाल गुप्ता, रामदौर मिश्र, गुलाबचंद उपाध्याय, बबलू त्रिपाठी, विनय मिश्र, राकेश शुक्ल और सुनील समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। वहीं, श्री रामलीला समिति की ओर से सुरेंद्र सोनी की अध्यक्षता में छाछू मोहल्ला मोड़ पर भी भरत मिलाप कार्यक्रम हुआ।

शिक्षक चुनाव में सुरक्षा का 'कड़ा पहरा', नौ केंद्रों पर पुलिस अलर्ट

मतदान से पहले एसपी ने पुलिसकर्मियों को किया ब्रीफ

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कमर कस ली है। शुक्रवार को जिले के नौ क्षेत्र पंचायत कार्यालयों में मतदान होगा। इससे एक दिन पहले बृहस्पतिवार को एसपी प्राची सिंह ने मतदान ड्यूटी में तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की ब्रीफिंग कर सुरक्षा संबंधी जरूरी निर्देश दिए।

एसपी ने स्पष्ट किया कि मतदान केंद्रों पर शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता होगी। उन्होंने पुलिसकर्मियों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करने, ड्यूटी के दौरान पूरी तरह सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को देने को कहा।

मतदान के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की मौजूदगी के साथ केंद्रों पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। एसपी ने पुलिसकर्मियों से ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने को कहा।

एसपी प्राची सिंह ने कहा, "निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए मतदान केंद्रों पर शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखें। ड्यूटी के दौरान सतर्क रहें और संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल दें।"

मतदान : कलेक्ट्रेट से मतदान केंद्रों के लिए रवाना हुईं पोलिंग पार्टियां

नौ केंद्र, 2,891 मतदाता शिक्षक चुनाव की अग्निपरीक्षा आज

निर्देश

- सुबह आठ से शाम चार बजे तक होगा मतदान
- मतदान सामग्री के साथ केंद्रों पर पहुंचीं पार्टियां

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन-2026 के लिए अंबेडकरनगर में मतदान की तैयारियां पूरी हो गई हैं। मतदान से पहले बृहस्पतिवार को कलेक्ट्रेट से पोलिंग पार्टियां निर्धारित केंद्रों के लिए रवाना कर दी गईं। जिले के नौ मतदान केंद्रों पर शुक्रवार को 2,891 शिक्षक मतदाता वोट डालेंगे। मतदान सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक होगा। ब्रीफिंग के बाद पोलिंग पार्टियों को आवश्यक मतदान सामग्री उपलब्ध कराई गई। कार्मिकों को अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करने और सभी जरूरी सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अंबेडकरनगर में शिक्षक निर्वाचन के लिए नौ मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इन केंद्रों पर कुल 2,891 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व व उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु, जिला विकास अधिकारी सविता सिंह, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. महेश चंद्र द्विवेदी समेत संबंधित अधिकारी और निर्वाचन कार्मिक मौजूद रहे।

रवानगी से पहले कार्मिकों को दी गई चुनावी जिम्मेदारी की ब्रीफिंग

कलेक्ट्रेट सभागार में पोलिंग पार्टियों की रवानगी से पहले ब्रीफिंग हुई। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने मतदान कार्मिकों को निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान निर्धारित नियमों और निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप कराया जाए।

उन्होंने सभी कार्मिकों को समयबद्धता, सतर्कता और निष्पक्षता के साथ जिम्मेदारी निभाने को कहा। साथ ही किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए।

टाइगर श्रॉफ पर हमले की गोली ने अंबेडकरनगर के उमेश को किया घायल

मुंबई में गाड़ी चलाकर परिवार पालते हैं उमेश

तमसा संकेत, संवाददाता

गोलीबारी में घायल होकर अस्पताल में भर्ती पत्नी गर्भवती, घर में छोटा बच्चा

अंबेडकरनगर। मुंबई में फिल्म अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले के दौरान चली गोली की चपेट में अंबेडकरनगर का युवक उमेश चौहान आ गया। आलापुर क्षेत्र के संदहा मजगवां गांव के बरई का पूरा निवासी उमेश चौहान पुत्र भगवान दास गोलीबारी में घायल हो गया। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। उमेश मुंबई में रहकर गाड़ी चलाते हैं। इसी काम से वह अपने परिवार का खर्च चलाते हैं। परिवार में पत्नी और एक छोटा बच्चा है। उमेश की पत्नी गर्भवती है। ऐसे में उसके घायल होने की सूचना के बाद परिवार उसकी सेहत को लेकर चिंतित है। उमेश परिवार के भरण-पोषण के लिए मुंबई में रहता है। 18 अक्तूबर को टाइगर श्रॉफ पर हमले के दौरान हुई गोलीबारी में वह घायल हो गया। घटना के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार को घटना की जानकारी मिलने के बाद से लोग उमेश के स्वास्थ्य की जानकारी ले रहे हैं। उमेश के घायल होने के बाद गांव में उसके परिवार की स्थिति को लेकर चर्चा है। घर में गर्भवती पत्नी और छोटा बच्चा है। परिवार के लिए फिलहाल उमेश का स्वस्थ होना सबसे अहम है।

सम्पादकीय

ट्रंप पर कितना भरोसा करें

यह समझना कठिन है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस कथन पर कितना भरोसा किया जाए कि वे भारत से व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के निकट हैं? वे और उनके सहयोगी इसके पहले भी कई बार यह कह चुके हैं कि हम भारत से व्यापार समझौता करने के करीब हैं, लेकिन महीनों बीत गए और ऐसा होने की नौबत नहीं आई। ट्रंप के दावों पर यकीन करना इसलिए मुश्किल है, क्योंकि वे अपनी ही बातों से मुकरने के आदी हो चुके हैं। अभी हाल में तो वे उस कानून पर अमल टालने को भी बाध्य हुए, जिसके तहत भारत, चीन समेत उन पांच देशों पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने जा रहे थे, जो रूस से तेल आयात करते हैं। उन्हें अपने कदम इसलिए पीछे खींचने पड़े, क्योंकि अमेरिका खुद रूस से डीजल खरीदने को बाध्य हो गया। इसकी भी अनदेखी न की जाए कि अमेरिका-ईरान टकराव और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते विश्व भर का ऊर्जा बाजार अस्थिर हो गया है। इसके चलते तेल एवं गैस के बढ़ते मूल्यों की तपिश अमेरिका को भी झेलनी पड़ रही है- और वह भी ऐसे समय, जब वहां मध्यावधि चुनाव होने वाले हैं और ट्रंप की साख दांव पर हैं।

यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि अमेरिका को अंततः यह आभास हुआ कि ऊर्जा संकट के समाधान में भारत का सहयोग लेना आवश्यक है। इसका एक प्रमाण उसके विदेश मंत्री मार्को रूबियो का जामनगर की रिलायंस रिफाइनरी का दौरा करना है। वहां जाने से पहले उन्होंने भारत को कच्चे तेल की रिफाइनिंग के मामले में महाशक्ति कहा। तथ्य यह भी है कि अमेरिका इस कोशिश में है कि भारत वेनेजुएला से अधिक से अधिक कच्चा तेल खरीदे और उसे शोधित कर निर्यात करे, ताकि ऊर्जा संकट से जूझ रहे अन्य देशों के साथ उसे भी राहत मिले।

भारत वेनेजुएला से जितना अधिक कच्चा तेल खरीदेगा, अमेरिका को उतना ही अधिक लाभ होगा, क्योंकि उसने वहां के तेल स्रोतों को एक तरह से अपने कब्जे में ले लिया है। यह भी उल्लेखनीय है कि वेनेजुएला के कच्चे तेल की गुणवत्ता ऐसी है कि सबके लिए उसका शोधन करना आसान नहीं। भारत यह करने में सक्षम है। स्पष्ट है कि जब अमेरिका को यह लगा कि भारत उसके हितों की पूर्ति में सक्षम है, तब उसके रवैये में नरमी आई। इसके बाद भी जब तक व्यापार समझौता हो नहीं जाता, तब तक आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता। इसलिए और भी नहीं, क्योंकि ट्रंप कह रहे हैं कि भारत से व्यापार समझौता हमारे द्वारा पहले किए गए समझौतों से अलग तरह का होगा। इसका ठीक-ठीक अर्थ क्या है, जब तक यह स्पष्ट न हो जाए, तब तक समझौते को लेकर संदेह बना रहेगा। अब जब अमेरिका को भारत का साथ लेना जरूरी जान पड़ रहा है, तब फिर उससे ऐसा समझौता होना चाहिए, जो भारतीय हितों के भी अनुकूल हो।

बदलती दुनिया में संयुक्त राष्ट्रः शांति की उम्मीद या वैश्विक शक्तियों की राजनीति का मंच

दुनिया के किसी हिस्से में युद्ध होता है तो उसकी गूंज सीमाओं तक सीमित नहीं रहती। कहीं ऊर्जा संकट गहराता है, कहीं खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं, कहीं लाखों लोग घर छोड़ने को मजबूर होते हैं और कहीं युद्ध की आशंका पूरी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने लगती है। जलवायु परिवर्तन, महामारी, आतंकवाद और साइबर सुरक्षा जैसी चुनौतियां भी किसी एक देश की सीमाओं में बंधकर नहीं रहतीं। इनके समाधान के लिए देशों के बीच सहयोग जरूरी है लेकिन सहयोग की जरूरत जितनी बढ़ी है, उसे हासिल करना उतना ही कठिन दिखाई देने लगा है।

यही वह विरोधाभास है, जो संयुक्त राष्ट्र की प्रासंगिकता पर विचार करने के लिए मजबूर करता है। एक ओर दुनिया को ऐसा साझा मंच चाहिए, जहां छोटे-बड़े सभी देश बातचीत कर सकें। दूसरी ओर, उसी मंच पर शक्तिशाली देशों के हित, आपसी प्रतिस्पर्धा और राजनीतिक मतभेद सामूहिक कार्रवाई की राह में बाधा बनते हैं। संयुक्त राष्ट्र की सफलता और सीमाओं को समझने के लिए इस विरोधाभास को समझना जरूरी है। द्वितीय विश्वयुद्ध की तबाही के बाद 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र की स्थापना हुई। इसका मूल उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाना, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखना, मानवाधिकारों का सम्मान बढ़ाना और देशों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना था। उस समय दुनिया ने महसूस किया था कि केवल सैन्य शक्ति और राष्ट्रीय हितों के आधार पर बनी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था स्थायी शांति की गारंटी नहीं दे सकती। संयुक्त राष्ट्र ने देशों को बातचीत का साझा मंच दिया। शांति स्थापना अभियानों, मानवीय सहायता, शरणार्थियों की मदद और अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने में इसकी भूमिका रही है।

- राजेश जैन

सिनेमाई पुनर्जागरणः धार्मिक फिल्मों का नया स्वर्णिम दौर

> यदि हम केवल आंकड़ों और जमीनी हकीकत पर नजर डालें, तो इस फिल्म को लेकर चल रहा उन्माद भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहा है।

भारतीय सिनेमा के सौ से अधिक वर्षों के इतिहास में समय-समय पर कई वैचारिक और विधागत बदलाव आए हैं। कभी यहाँ 'एंग्री यंग मैन' का सामाजिक विद्रोह पर्दे पर हावी था, तो कभी मध्यवर्गीय परिवारों की रोजमर्रा की कशमकश को सिनेमाई कैनवास पर उकेरा जाता था। एक दौर वह भी आया जब विदेशी लोकेशंस और प्रवासी रोमांस की कहानियों ने करोड़ों दिलों को धड़काया। लेकिन आज, यानी साल 2026 की दहलीज पर खड़े होकर जब हम देश के सिनेमाई परिदृश्य का बारीकी से विश्लेषण करते हैं, तो एक अभूतपूर्व, अखंड और अत्यंत स्पष्ट रुझान उभरकर सामने आता है। आज का भारतीय दर्शक काल्पनिक और पश्चिम से आयातित कहानियों के मायाजाल से पूरी तरह बाहर निकलकर अपनी जड़ों, अपनी सांस्कृतिक विरासत और अपने सनातन गौरव की ओर लौट रहा है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही महात्वाकांक्षी फिल्म 'रामायणः द राइज ऑफ ए लीजेंड' की एडवांस बुकिंग का जो ऐतिहासिक और अकल्पनीय क्रेज देखने को मिल रहा है, वह इस बात का अकाट्य प्रमाण है कि भारत में अब धार्मिक और पौराणिक फिल्मों का एक नया स्वर्णिम दौर शुरू हो चुका है। महज कुछ ही घंटों में लाखों टिकटों का बिक जाना, प्रीमियम सिनेमाघरों में एक टिकट की कीमत 2,600 के पार पहुंच जाना और रिलीज से हफ्तों पहले करोड़ों रुपये का एडवांस कलेक्शन कर लेना—यह केवल किसी एक फिल्म की व्यावसायिक सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह भारतीय जनमानस की उस सामूहिक चेतना और सांस्कृतिक प्यास का प्रकटीकरण है, जिसे मुख्यधारा का सिनेमा लंबे समय से नजरअंदाज करता आ रहा था।

पिछले कुछ वर्षों में दर्शकों की पसंद में आया यह बदलाव रातों-रात नहीं हुआ है, बल्कि इसके पीछे गहरे सामाजिक, तकनीकी और मनोवैज्ञानिक कारण छिपे हुए हैं। पुराने दौर में धार्मिक या पौराणिक कहानियों को केवल टेलीविजन के सीमित बजट और बुनियादी विशेष प्रभावों के सहारे देखा जाता था। रामानंद सागर की 'रामायण' और बी.आर. चोपड़ा की 'महाभारत' ने अपने समय में इतिहास तो रचा, लेकिन वह दौर तकनीक के मामले में बहुत पीछे था। आज का युवा दर्शक 'मार्वल' और 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' जैसी हॉलीवुड फिल्मों के विजुअल इफेक्ट्स देखकर बड़ा हुआ है। जब भारतीय फिल्म निर्माताओं ने हमारी अपनी समृद्ध और अनंत पौराणिक कथाओं को हॉलीवुड स्तर के वीएफएक्स, 3D तकनीक और विश्व स्तरीय सिनेमैटोग्राफी के साथ पेश करना शुरू किया, तो दर्शकों का अनुभव पूरी तरह बदल गया। 'रामायण' जैसी फिल्मों में दिख रहा अकल्पनीय विजुअल वैभव ही है जो युवा पीढ़ी को 2,600 से अधिक की महंगी टिकट खरीदने के लिए प्रेरित कर रहा है। इसके साथ ही, आज का युवा भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर अत्यधिक जागरूक और गौरवान्वित है। वह अब पश्चिम के काल्पनिक सुपरहीरोज की बजाय अपने देश के वास्तविक, ऐतिहासिक और आध्यात्मिक नायकों को पर्दे पर देखना चाहता है। भगवान राम, श्री कृष्ण और महादेव के चरित्रों में जो नैतिक मूल्य, वीरता और जीवन दर्शन छिपा है, वह आधुनिक समाज के लिए मार्गदर्शक का काम करता है। धार्मिक फिल्में दर्शकों को अपनी जड़ों से जुड़ने का एक ऐसा माध्यम प्रदान करती हैं, जो मनोरंजक होने के साथ-साथ अत्यंत गौरवमयी भी होता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के आने के बाद सिनेमाघरों से पारिवारिक दर्शक कहीं न कहीं दूर हो गए थे, क्योंकि समकालीन मुख्यधारा के सिनेमा में अश्लीलता, हिंसा और गाली-गलौज की बहुलता बढ़ गई थी। ऐसे माहौल में, धार्मिक और पौराणिक फिल्में एक ऐसे सुरक्षित और पावन विकल्प के रूप में उभरी हैं, जिसे दादा-दादी से लेकर पोते-पोती तक, पूरा परिवार एक साथ बैठकर सिनेमाघर के बड़े पर्दे पर देख सकता है। यह 'सामूहिक सिनेमा' के उस सुनहरे दौर को वापस लाया है, जहाँ थिएटर एक व्यावसायिक जगह न रहकर एक सांस्कृतिक उत्सव का रूप ले लेते हैं। मुंबई के प्रीमियम सिनेमाघरों जैसे कि मैसन आईनॉक्स जियो वर्ल्ड प्लाजा में इसके हिंदी 3D इनसिग्निया शो के एक टिकट की कीमत 2,620 तक पहुंच चुकी है, जो कन्वीनियंस फीस के साथ 2,690 पड़ती है, जबकि कुछ थिएटर्स में रिक्लाइनर सीटों की कीमत 2,770 तक जा चुकी है। भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने अपने पहले ही दिन 5.44 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन एडवांस बुकिंग के जरिए कर लिया है और अब तक करीब 92,000 टिकटें बिक चुकी हैं। इस एडवांस बुकिंग कलेक्शन में सबसे बड़ा हिस्सा लगभग पचानवे प्रतिशत हिंदी वर्जन का है, जिसमें दिल्ली-एनसीआर 1.42 करोड़ के साथ सबसे आगे है और मुंबई 1.01 करोड़ के कलेक्शन के साथ दूसरे नंबर पर बना हुआ है। दर्शकों की भारी मांग को देखते हुए सिनेमाघरों में सुबह 6:00 बजे और 6:45 बजे के अर्ली-मॉर्निंग शोज के साथ-साथ देर रात 11:59 बजे के नाइट शोज भी शेड्यूल किए गए हैं। इतना ही नहीं, फिल्म ने रिलीज से पहले ही अंतरराष्ट्रीय बाजारों जैसे यूएस, कनाडा, यूके और ऑस्ट्रेलिया में 1 मिलियन डॉलर यानी करीब सात से आठ करोड़ रुपये से अधिक की एडवांस बुकिंग का आंकड़ा पार कर लिया है। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि जब सामग्री दर्शकों की आत्मा और उनकी आस्था से जुड़ती है, तो कीमत और समय जैसी भौतिक बाधाएं पूरी तरह अर्थहीन हो जाती हैं। धार्मिक फिल्मों के इस नए दौर की सबसे खूबसूरत विशेषता यह है कि यह भाषाई और क्षेत्रीय दीवारों को पूरी तरह से ढहा रहा है। अतीत में, बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा को दो अलग-अलग ध्रुवों के रूप में देखा जाता था। लेकिन वर्तमान दौर की महागाथाएं इन दोनों उद्योगों के सर्वश्रेष्ठ हुनर को एक मंच पर ला रही हैं। 'रामायण' इसका सबसे सटीक उदाहरण है, क्योंकि इस फिल्म में जहाँ हिंदी सिनेमा के सबसे प्रतिभाशाली और चहेते अभिनेताओं में से एक, रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में हैं, वहीं दक्षिण भारत की संस्कारी और सशक्त अभिनेत्री साई पल्लवी माता सीता के किरदार को जीवंत कर रही हैं, और कन्नड़ सिनेमा के वैश्विक रॉकस्टार यश रावण के रूप में अपनी दहाड़ लगाने के लिए तैयार हैं। यह महासंगम केवल कलाकारों का नहीं, बल्कि पूरे भारत के दर्शकों का है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूर्व से लेकर पश्चिम तक, पूरी फिल्म इंडस्ट्री अब यह समझ चुकी है कि 'सनातन संस्कृति' ही वह एकमात्र सूत्र है जो पूरे देश को एक धागे में पिरो सकता है। पैन-इंडिया फिल्मों का यह नया स्वरूप भाषाई दूरियों को मिटाकर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सिनेमाई पर्दे पर साकार कर रहा है।

- अशोक भाटीया

सरकार को प्रदूषण...

ललित गर्ग

जानलेवा होती हवाः सर्दियों से पहले ही प्रदूषण की चुनौती

सर्दियों ने अभी पूरी तरह दस्तक भी नहीं दी है कि देश के अनेक शहरों की हवा में प्रदूषण का जहर घुलने लगा है। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का तेजी से बिगड़ना इस बात का संकेत है कि प्रदूषण का संकट अब केवल सर्दियों की मौसमी समस्या नहीं, बल्कि हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन, शहरी विकास और सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने खड़ी एक गंभीर चुनौती बन चुका है। हर साल अक्टूबर-नवंबर में दमघोंटू धुंध, आंखों में जलन, सांस लेने में कठिनाई और अस्पतालों में बढ़ती मरीजों की संख्या के साथ यह संकट सामने आता है। विडंबना यह है कि समस्या के कारणों की पहचान होने और उपायों की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद हम हर वर्ष उसी त्रासदी को दोहराने के लिए विवश दिखाई देते हैं। सवाल यह है कि क्या स्वच्छ हवा में सांस लेना भी अब नागरिकों के लिए एक दुर्लभ सुविधा बनकर रह जाएगा? वायु प्रदूषण किसी एक कारण या किसी एक राज्य की देन नहीं है। वाहनों से निकलने वाला धुआं, औद्योगिक उत्सर्जन, निर्माण स्थलों से उड़ती धूल, सड़कों पर जमा मिट्टी, कचरा और जैविक पदार्थ जलाना, ताप विद्युत संयंत्रों से होने वाला उत्सर्जन तथा कृषि अवशेषों का दहन इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। सर्दियों में तापमान गिरने, हवा की गति कम होने और वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण प्रदूषक जमीन के निकट जमा हो सकते हैं। इससे प्रदूषण का प्रभाव अधिक गंभीर हो जाता है। इस प्रकार मौसम समस्या को बढ़ाता अवश्य है, लेकिन प्रदूषण पैदा करने वाले मूल कारण मुख्यतः मानवीय गतिविधियों और उनके अपर्याप्त नियमन से जुड़े हैं।

दिल्ली-एनसीआर की स्थिति इस संकट का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। दिल्ली के साथ गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद और आसपास के अनेक शहर एक-दूसरे से जुड़े वायु क्षेत्र का हिस्सा हैं। इसलिए केवल दिल्ली की सीमाओं के भीतर उपाय करने से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। हवा किसी प्रशासनिक सीमा को नहीं मानती, वह प्रदूषण को भी एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पहुंचाती है। अतः समाधान भी क्षेत्रीय सहयोग, साझा जवाबदेही और समन्वित कार्ययोजना पर आधारित होना चाहिए। वायु प्रदूषण का सबसे भयावह पक्ष उसका स्वास्थ्य पर पड़ने वाला प्रभाव है। विशेष रूप से पीएम 2.5 जैसे अत्यंत सूक्ष्म कण फेफड़ों की गहराई तक पहुंच सकते हैं और कुछ परिस्थितियों में रक्तप्रवाह तक प्रवेश कर सकते हैं। इनके लंबे समय तक संपर्क में रहने से हृदय एवं फेफड़ों संबंधी बीमारियों, स्ट्रोक और समयपूर्व मृत्यु का जोखिम बढ़ता है। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा पहले से बीमार लोगों पर इसका प्रभाव विशेष रूप से गंभीर हो सकता है। यह संकट केवल सांस के मरीजों तक सीमित नहीं है। स्वस्थ दिखाई देने वाले लोगों की कार्यक्षमता, एकाग्रता और जीवन की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है। स्कूल जाने वाले बच्चों को खुले मैदान में खेलने से रोकना पड़े, बुजुर्ग सुबह की सैर छोड़ने को विवश हों और श्रमिकों को जहरीली हवा में काम करना पड़े, तो यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जीवन की गरिमा और नागरिकों के स्वास्थ्य के अधिकार से जुड़ा प्रश्न है। एयर प्यूरीफायर या मास्क कुछ परिस्थितियों में व्यक्तिगत बचाव में सहायक हो सकते हैं, लेकिन वे स्वच्छ हवा की सार्वजनिक व्यवस्था का विकल्प नहीं बन सकते। प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (ग्रैप) लागू करना आवश्यक है। इसके अंतर्गत प्रदूषण की गंभीरता के अनुसार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध, वाहनों और उद्योगों पर नियंत्रण तथा अन्य आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं। लेकिन इन उपायों की सफलता केवल आदेश जारी करने से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन और निरंतर निगरानी से सुनिश्चित होती है। यदि प्रतिबंधों का उल्लंघन होता रहे, निर्माण स्थलों पर धूल उड़ती रहे और कचरा खुले में जलता रहे, तो सरकारी घोषणाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे सकतीं।

सरकार को प्रदूषण के चरम पर पहुंचने की प्रतीक्षा करने के बजाय सितंबर-अक्टूबर से ही तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान, औद्योगिक इकाइयों का निरीक्षण, सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण और वाहनों के उत्सर्जन की जांच पहले से सुनिश्चित की जानी चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, इलेक्ट्रिक बसों को बढ़ावा देना, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार करना और प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई करना दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा होना चाहिए। कृषि क्षेत्र में पराली जलाने की समस्या का समाधान किसानों पर जुर्माना लगाने भर से नहीं होगा। उन्हें फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए सस्ती मशीनें, तकनीकी सहायता, आर्थिक प्रोत्साहन और स्थानीय स्तर पर उपयोग की सुविधाएं उपलब्ध करानी होंगी। किसानों को समस्या का भागीदार नहीं, समाधान का सहयोगी बनाना होगा। प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। नागरिकों को निजी वाहनों का अनावश्यक उपयोग कम करने, सार्वजनिक परिवहन अपनाने, कचरा और पत्तियां न जलाने तथा ऊर्जा की बचत करने जैसे कदम उठाने होंगे।

कृषि उत्पादों ...

प्रदीप कुमार/ ओबैदुर रहमान

आधुनिक कृषि विपणन व्यवस्था को सशक्त बना रही मण्डी परिषद, किसानों को बेहतर बाजार और सुविधाएं उपलब्ध

कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की आधारशिला है और किसानों की समृद्धि का मार्ग उनकी उपज के उचित मूल्य, पारदर्शी विपणन व्यवस्था तथा आधुनिक कृषि अवसंरचना से होकर गुजरता है। कृषि उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने, मण्डियों की कार्यप्रणाली को पारदर्शी एवं डिजिटल बनाने और किसानों को विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में उत्तर प्रदेश मण्डी परिषद महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रदेश में मण्डी सुविधाओं के विस्तार, ई-नाम एवं ई-मण्डी जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं, कृषि उत्पादों के निर्यात और किसान हितैषी योजनाओं के माध्यम से कृषि विपणन व्यवस्था को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। मण्डी परिषद की वित्तीय स्थिति में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अगस्त माह तक कुल 857.30 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई थी, जबकि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अगस्त 2026 तक यह आय बढ़कर 875.31 करोड़ रुपये हो गई। इस प्रकार गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में मण्डी परिषद की आय में 2.10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि प्रदेश में कृषि विपणन से जुड़ी गतिविधियों और मण्डी व्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयासों को रेखांकित करती है।

कृषि उत्पादों के विपणन में पारदर्शिता बढ़ाने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से भारत सरकार एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) के अंतर्गत प्रदेश की 162 मण्डियों में डिजिटल व्यापार को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत 01 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2026 तक 1,575 करोड़ रुपये से अधिक का डिजिटल व्यापार किया गया। ई-नाम के माध्यम से कृषि उत्पादों की खरीद-बिक्री को डिजिटल मंच से जोड़ने का उद्देश्य किसानों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराना, व्यापारिक प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना तथा उपज के मूल्य निर्धारण में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना है। इससे कृषि विपणन व्यवस्था को आधुनिक बनाने और किसानों को बाजार आधारित अवसरों से जोड़ने में मदद मिल रही है।

मण्डी समितियों के आंतरिक कार्यों को ऑनलाइन करने के उद्देश्य से संचालित ई-मण्डी योजना ने लाइसेंस निर्गमन और अन्य प्रक्रियाओं को डिजिटल स्वरूप प्रदान किया है। 01 अगस्त 2025 से 31 अगस्त 2026 तक लगभग 11,894 ई-मण्डी लाइसेंस निर्गत किए गए। इसी अवधि में ई-मण्डियों के माध्यम से लगभग एक करोड़ 58 लाख से अधिक ऑनलाइन पर्चियां भी जारी की गईं। ऑनलाइन व्यवस्था से मण्डियों के कार्यों को अधिक व्यवस्थित बनाने, अभिलेखों के डिजिटलीकरण और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने में सहायता मिल रही है। डिजिटल सेवाओं का विस्तार किसानों, व्यापारियों और आढ़तियों के लिए मण्डी संबंधी कार्यों को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने और कृषि विपणन से जुड़े लाभार्थियों को सहयोग प्रदान करने के लिए मण्डी परिषद द्वारा विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

जरा हटके

जनपद में दिव्यांग...

डॉ0 सीमा गुप्ता

बलरामपुर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण और समावेशी विकास के प्रभावी क्रियान्वयन से आत्मनिर्भरता को मिल रही दिशा

केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अंत्योदय और समावेशी विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद बलरामपुर में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और सुलभ जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त समन्वय से विकास खंड बलरामपुर परिसर में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह पहल आकांक्षी जनपद में दिव्यांगजनों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें स्वावलंबन और सम्मानजनक आजीविका की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक प्रभावी प्रशासनिक प्रयास है। शासन की सुस्पष्ट नीति के अनुसार दिव्यांगजन समाज के अत्यंत संवेदनशील और सामर्थ्यवान अंग हैं। सरकार का ध्येय केवल तात्कालिक राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक सहायक उपकरणों एवं तकनीकों से युक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। जब किसी दिव्यांगजन को गतिशीलता और आवश्यक तकनीक का संबल मिलता है, तो वह अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने में सक्षम होता है। विकास खंड बलरामपुर परिसर में आयोजित विशेष शिविर में पूर्व में कराए गए तकनीकी परीक्षणों के आधार पर पारदर्शी प्रक्रिया से चिह्नित कुल 108 पात्र लाभार्थियों को आवश्यकतानुसार आधुनिक उपकरण निःशुल्क वितरित किए गए। शारीरिक दिव्यांगता से प्रभावित लाभार्थियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 25 आधुनिक ट्राई साइकिल और 12 व्हीलचेयर प्रदान की गईं, जिससे उनकी दैनिक गतिशीलता में उल्लेखनीय सुधार होगा और दैनिक क्रियाकलापों के लिए दूसरों पर निर्भरता समाप्त होगी। श्रवण दिव्यांगता से ग्रसित 36 लाभार्थियों को उच्च गुणवत्ता की डिजिटल हियरिंग एड उपलब्ध कराई गई, जिससे वे सामाजिक संवाद और सामान्य दिनचर्या में सुगमता से भाग ले सकें। दृष्टिबाधित लाभार्थियों को सुरक्षित और स्वतंत्र आवागमन के लिए 17 आधुनिक स्मार्ट केन तथा शैक्षणिक संवर्धन हेतु 08 ब्रेल किट प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, बौद्धिक दिव्यांगता से ग्रसित बच्चों के मानसिक संवर्धन और दैनिक क्रियाकलापों को सहज बनाने के लिए 10 विशेष मानसिक मंदता (एमआर) किट उनके अभिभावकों को सौंपी गईं। आकांक्षी एवं सीमावर्ती जनपद होने के दृष्टिगत बलरामपुर में सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी समस्त कल्याणकारी योजनाओं के शत-प्रतिशत संतृप्तीकरण पर जिला प्रशासन द्वारा विशेष बल दिया जा रहा है। ग्रामीण और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में निवासरत पात्र दिव्यांगजनों को योजनाओं से आच्छादित करने के लिए विकास खंड स्तर पर नियमित चिह्नांकन और स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। प्रशासनिक स्तर पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सूचना के अभाव, भौगोलिक दूरी अथवा प्रक्रियात्मक जटिलता के कारण शासकीय लाभ से वंचित न रहे। सहायक उपकरण वितरण के साथ-साथ जिला प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों को राज्य एवं केंद्र सरकार की दीर्घकालिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने का समन्वित कार्य किया जा रहा है। पात्र व्यक्तियों को विशिष्ट दिव्यांगता पहचान पत्र (यूडीआई-ईडी) से संतृप्त किया जा रहा है, ताकि वे देश भर में मान्यता प्राप्त एक समान पहचान के आधार पर समस्त शासकीय सेवाओं का निर्बाध लाभ प्राप्त कर सकें। जनपद में दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान (पेंशन योजना), शल्य चिकित्सा अनुदान तथा दुर्घटना बीमा योजनाओं के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष तंत्र सक्रियता से कार्य कर रहा है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों में वितरित किए जाने वाले सभी उपकरणों की गुणवत्ता, स्थायित्व और मानकीकरण पर विशेष प्रशासनिक निगरानी रखी जा रही है। वितरण के उपरांत लाभार्थियों को उपकरणों के समुचित रख-रखाव, उपयोग के सही तौर-तरीकों तथा किसी भी तकनीकी समस्या के समाधान हेतु मौके पर ही व्यावहारिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया, जिससे प्रदत्त संसाधनों की अधिकतम उपयोगिता और दीर्घकालिक प्रभावशीलता सुनिश्चित हो सके। दैनिक जीवन में गतिशीलता और स्वावलंबन प्राप्त होने से दिव्यांगजनों के आत्मविश्वास में प्रत्यक्ष वृद्धि होती है। विशेष रूप से बच्चों और युवाओं के लिए ये उपकरण प्राथमिक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त करने, व्यावसायिक कौशल सीखने तथा आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होने का मार्ग प्रशस्त करते हैं, जिससे उनके परिवारों पर देखभाल की जटिलताएं भी कम होती हैं। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की अंत्योदय और समावेशी विकास की प्राथमिकताओं के अनुरूप जनपद बलरामपुर में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक नागरिक को सामाजिक सुरक्षा, सम्मान और सुलभ जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के तहत योजनाबद्ध कार्य किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त समन्वय से विकास खंड बलरामपुर परिसर में निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जनपद बलरामपुर में दिव्यांगजनों को आधुनिक संसाधनों से सुसज्जित कर उन्हें स्वावलंबन और सम्मानजनक आजीविका की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में यह एक प्रभावी प्रशासनिक प्रयास है। शासन की सुस्पष्ट नीति के अनुसार दिव्यांगजन समाज के अत्यंत संवेदनशील और सामर्थ्यवान अंग हैं। सरकार का ध्येय केवल तात्कालिक राहत प्रदान करना नहीं, बल्कि उन्हें आधुनिक सहायक उपकरणों एवं तकनीकों से युक्त कर आत्मनिर्भर बनाना है। जब किसी दिव्यांगजन को गतिशीलता और आवश्यक तकनीक का संबल मिलता है, तो वह अपनी शारीरिक सीमाओं को पार कर सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने में सक्षम होता है।

किसानों के हितों की रक्षा एवं धान खरीद की सुचारु व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय

राइस मिलर्स संघों की समस्याओं पर खाद्य एवं रसद मंत्री ने किया व्यापक विचार-विमर्श

बैठक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में आज बापू भवन स्थित उनके कार्यालय में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत धान खरीद व्यवस्था को सुचारु, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाए जाने के उद्देश्य से मान्यताप्राप्त राइस मिलर्स संघों के प्रतिनिधियों तथा विभागीय वरिष्ठ अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में प्रदेश के विभिन्न राइस मिलर्स संघों के प्रतिनिधियों ने धान खरीद नीति, चावल की रिकवरी, प्रोत्साहन राशि, मिलों के सम्बद्धीकरण, कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) के सम्प्रदान, भण्डारण, परिवहन, होल्डिंग चार्ज एवं लंबित भुगतान सहित विभिन्न विषयों पर अपनी समस्याएँ एवं सुझाव प्रस्तुत किए। माननीय मंत्री जी ने सभी प्रतिनिधियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित अधिकारियों को प्रस्तुत माँगों का नियमानुसार परीक्षण कर सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रोत्साहन राशि, चावल रिकवरी, सीएमआर सम्प्रदान, मिलों के सम्बद्धीकरण एवं बकाया भुगतान से संबंधित माँगों पर हुआ विस्तृत मंथन

किसानों एवं राइस मिलर्स के हितों में संतुलन बनाकर धान खरीद व्यवस्था को अधिक सरल, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाया जाए-खाद्य एवं रसद मंत्री

मंत्री जी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों के हितों के संरक्षण, उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करने तथा धान खरीद व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राइस मिलर्स धान खरीद एवं चावल आपूर्ति व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं तथा उनकी व्यावहारिक समस्याओं का समाधान किया जाना आवश्यक है। माननीय मंत्री जी ने कहा कि विभागीय व्यवस्थाओं से संबंधित कठिनाइयों का निष्पक्ष परीक्षण किया जाए तथा जिन मामलों में राइस मिलर्स की ओर से कोई त्रुटि नहीं पाई जाती, उनमें नियमानुसार उचित समाधान की कार्रवाई की जाए।

प्रक्रिया को अधिक सरल एवं व्यावहारिक बनाए जाने पर भी चर्चा

बैठक में मिलों के ऑनलाइन सम्बद्धीकरण की प्रक्रिया को अधिक सरल एवं व्यावहारिक बनाए जाने पर भी चर्चा हुई। राइस मिलर्स संघों ने स्वचालित सम्बद्धीकरण के साथ स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप मैनुअल सम्बद्धीकरण का विकल्प उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सम्बद्धीकरण संबंधी व्यवस्थाओं का परीक्षण कर धान खरीद कार्य में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न न होने दिया जाए। राइस मिलर्स प्रतिनिधियों द्वारा पूर्ववर्ती क्रय वर्ष में भारतीय खाद्य निगम के गोदामों में स्थान की अनुपलब्धता, फोर्टिफाइड राइस कर्नेल (एफआरके) एवं बोरियों की कमी तथा अन्य व्यवस्थागत कारणों से सीएमआर सम्प्रदान में हुए विलम्ब का विषय भी उठाया गया। प्रतिनिधियों ने ऐसे मामलों में लंबित प्रोत्साहन राशि के भुगतान, होल्डिंग चार्ज एवं अन्य कटौतियों से राहत प्रदान करने का अनुरोध किया।

अपने-अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए

बैठक में राइस मिलर्स संघों द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समाप्त की गई प्रोत्साहन राशि को पुनः लागू करने तथा उसमें वृद्धि किए जाने की माँग प्रमुखता से उठाई गई। विभिन्न संघों ने प्रोत्साहन राशि रू0 35 प्रति कुंतल से बढ़ाकर रू0 50 तथा रू0 100 प्रति कुंतल किए जाने के संबंध में अपने-अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए। माननीय मंत्री जी ने अधिकारियों को इन प्रस्तावों का वित्तीय एवं नीतिगत परीक्षण करने के निर्देश दिए। राइस मिलर्स प्रतिनिधियों ने हाइब्रिड धान की कुटाई में चावल की रिकवरी संबंधी व्यावहारिक कठिनाइयों का उल्लेख करते हुए वर्तमान 1.5 प्रतिशत की छूट को बढ़ाकर 2 प्रतिशत किए जाने तथा क्षतिपूर्ति संबंधी प्रावधानों की समीक्षा का अनुरोध किया। मंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों एवं लागू नीतियों के आलोक में इन माँगों का परीक्षण करने के निर्देश दिए।

फास्ट न्यूज

बेकाबू थार ने 5 लोगों को रौंदा

लखनऊ । लखनऊ में बुधवार देर रात बस से टक्कर के बाद एक थार बेकाबू हो गई। थार ने कई बाइक सवारों और पैदल जा रहे लोगों को टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। घटना के बाद थार चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। हादसे से गुस्साए लोगों ने ईंट और डंडों से थार में तोड़फोड़ की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

मतदान दिवस को विशेष आकस्मिक अवकाश

लखनऊ। रिटर्निंग ऑफिसर/मण्डलायुक्त लखनऊ द्वारा बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में सामान्य प्रशासन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा जारी विज्ञप्ति दिनांक 13 अक्टूबर, 2026 के अनुसार लखनऊ खण्ड स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन के अन्तर्गत उक्त सभी कर्मचारी, जो स्नातक तथा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के बोनाफाइड मतदाता है, को मताधिकार के प्रयोग हेतु मतदान दिवस दिनांक 23.10.2026 को विशेष आकस्मिक अवकाश अनुमन्य होगा। । अतः खण्ड स्नातक व खण्ड शिक्षक के सभी वैध वोटरों के लिये दिनांक 23.10.2026 को अवकाश है।

भाषा विश्वविद्यालय में विधिक कार्यशाला

लखनऊ । लखनऊ में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के निशुल्क विधिक सहायता केंद्र और एनजीओ AALI के संयुक्त तत्वावधान में 22 अक्टूबर को 'जेंडर और पितृसत्ता को समझना' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में विशेषज्ञ नेहा तिवारी और मंतशा ने लैंगिक असमानता, पितृसत्तात्मक व्यवस्था, सामाजिक रूढ़ियों और भेदभाव से जुड़े मुद्दों पर विचार रखे।

लखनऊ में आज 12वीं तक के स्कूल बंद

सभी यूनिवर्सिटी-कॉलेजों में भी छुट्टी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में विधान परिषद चुनाव के मतदान के चलते 23 अक्टूबर को स्कूल-कॉलेज और विश्वविद्यालय बंद रहेंगे। जिले में नर्सरी से कक्षा 12 तक के स्कूलों के साथ सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और प्राइवेट डिग्री कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष अवकाश घोषित किया गया है। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक और क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी ने आदेश जारी किए हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार के आदेश के मुताबिक, जिले में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के सभी परिषदीय, माध्यमिक, मान्यता प्राप्त और सहायता प्राप्त स्कूल बंद रहेंगे। इसमें CBSE, ICSE और अन्य बोर्ड से संचालित स्कूल भी शामिल हैं। सभी स्कूलों को आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि लखनऊ खंड शिक्षक निर्वाचन और लखनऊ खंड स्नातक निर्वाचन के मतदान के कारण 23 अक्टूबर को जिले के सभी राजकीय, अशासकीय और स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में विशेष अवकाश रहेगा।

एमएलसी चुनाव की वोटिंग के चलते जारी हुआ आदेश

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के 37वें स्थापना दिवस पर 27 अक्टूबर को आयोजित होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने साझा की अनुसंधान एवं नवाचारों की रूप-रेखा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के 37वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आगामी 27 अक्टूबर 2026 को आयोजित होने वाली एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की रूप-रेखा और परिषद की शोध उपलब्धियों को साझा करने हेतु गुरुवार को उपकार सभागार (करियप्पा मार्ग, आलमबाग) लखनऊ में एक विशेष प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए उपकार के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि इस वर्ष राष्ट्रीय संगोष्ठी का मुख्य विषय ₹उत्पादकता से आगेः उत्तर प्रदेश की कृषि के भविष्य की पुनर्कल्पनाह निर्धारित किया गया है। संगोष्ठी का भव्य आयोजन 27 अक्टूबर को आईसीएआर-भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (IISR), रायबरेली रोड, लखनऊ के सभागार में संपन्न होगा। महानिदेशक ने बताया कि संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में केवल

विकास गुप्ता द्वारा हुआ कार्यक्रम का संबोधन

महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि 27 अक्टूबर को आयोजित होने वाले उद्घाटन सत्र में प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, उद्यान एवं कृषि विपणन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह, उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष आचार्य श्याम बिहारी गुप्ता, कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार तथा कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के प्रमुख सचिव डॉ. एम. के. शनमुगा सुंदरम प्रतिभाग करेंगे। कार्यक्रम का स्वागत संबोधन उपकार के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता द्वारा दिया जाएगा। इस अवसर पर शोध पुस्तकों का विमोचन तथा कृषि वैज्ञानिकों व प्रगतिशील किसानों को सम्मानित भी किया जाएगा।

"उत्पादकता से आगेः उत्तर प्रदेश की कृषि के भविष्य की पुनर्कल्पना" विषय पर देशभर के वैज्ञानिक और नीति-निर्माता करेंगे मंथन

पराली प्रबंधन के लिए 'हेलोकेयर' बायो-फॉर्मूलेशन, कालानमक की उन्नत किस्में और मक्का-मिलेट्स पर परिषद ने हासिल की ऐतिहासिक उपलब्धियां

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही होंगे मुख्य अतिथि, 27 अक्टूबर को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में जुटेगा कृषि जगत

फसल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित न रहकर जलवायु परिवर्तन के अनुकूल खेती, डिजिटल तकनीक, फसल अवशेष प्रबंधन, मूल्य संवर्धन, प्राकृतिक खेती और कृषक उत्पादक संगठनों के माध्यम से किसानों की आय में स्थायी वृद्धि की ठोस रणनीतियां तैयार करना है।

पांच समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित

संगोष्ठी के दौरान कृषि क्षेत्र की समकालीन चुनौतियों और भविष्य की प्राथमिकताओं पर पांच समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें जलवायु अनुकूल प्रजनन तकनीक सत्र के अंतर्गत मौसमी फसलों की उत्पादकता और किस्म सुधार पर विशेषज्ञों का विमर्श होगा। डिजिटल कृषि एवं पादप सुरक्षा सत्र में तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिए सटीक व सुरक्षित फसल प्रबंधन पर चर्चा की जाएगी। प्राकृतिक संसाधनों का इष्टतम प्रबंधन सत्र के माध्यम से टिकाऊ और अधिकतम उपज के लिए मृदा व जल संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

यूपी एमएलसी चुनाव के चलते फैसला, मॉडल शॉप भी नहीं खुलेंगी

23 और 27 अक्टूबर को शराब दुकानें बंद रहेंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में लखनऊ समेत 72 जिलों में 23 और 27 अक्टूबर को शराब की दुकानें बंद रहेंगी। लखनऊ डीएम ने बताया कि यह फैसला शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनाव के मद्देनजर लिया गया है। इस दौरान शराब की दुकानों के साथ बार, मॉडल शॉप और सैन्य कैंटीन में भी शराब की बिक्री नहीं होगी। कल, शुक्रवार को विधान परिषद (MLC) की कुल 11 सीटों पर मतदान होंगे। 27 अक्टूबर को वोटों की गिनती की जाएगी। कानपुर, कानपुर देहात और उन्नाव में आचार संहिता लागू नहीं है। इसलिए यहां न वोटिंग होगी और न ही शराब की दुकानें बंद रहेंगी।

कानपुर में स्नातक और शिक्षक एमएलसी चुनाव फरवरी 2023 में हुए थे। इनमें शिक्षक सीट से राजबहादुर सिंह चंदेल और स्नातक सीट से अरुण पाठक जीते थे। उनका कार्यकाल 2029 तक है।

विधान परिषद की जिन 11 सीटों पर चुनाव घोषित हुआ है, उनमें 5 स्नातक खंड की और 6 शिक्षक खंड की सीटें हैं।

5 स्नातक सीटें : लखनऊ मंडल, वाराणसी मंडल, आगरा मंडल, मेरठ मंडल और इलाहाबाद-झांसी मंडल। इनमें से इलाहाबाद-झांसी और वाराणसी सीट सपा के कब्जे में है। बाकी 3 सीटों पर भाजपा का कब्जा है। 6 शिक्षक सीटें : लखनऊ खंड, वाराणसी खंड, आगरा खंड, मेरठ खंड और बरेली-मुरादाबाद खंड (2 सीटें)। इनमें से 3 सीटों पर भाजपा, 1 पर सपा, 1 पर शिक्षक समूह और 1 पर निर्दलीय का कब्जा है।

10 लाख वोटर तय करेंगे दिग्गजों की साख

इस 'मिनी-जनादेश' में 10 लाख से ज्यादा वोटर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। स्नातक क्षेत्र का वोटर बनने के लिए डिग्री हासिल किए 3 साल पूरे होना जरूरी हैं। जबकि शिक्षक क्षेत्र में सिर्फ पढ़ा रहे शिक्षक ही वोट डाल सकते हैं। 22 से 35 साल के वोटर निर्णायकः उम्मीदवारों ने इस बार युवाओं, रिटायर्ड कर्मचारियों, भूतपूर्व सैनिकों, महिलाओं और शिक्षकों का बड़े पैमाने पर रजिस्ट्रेशन कराया है। इनमें सबसे ज्यादा संख्या 22 से 35 साल के युवा मतदाताओं की है। युवाओं को साधने की होड़ : सपा जहां बेरोजगारी, पुरानी पेंशन (OPS) और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर युवाओं और कर्मचारियों को साध रही है। वहीं, योगी सरकार अपनी उपलब्धियों और पारदर्शी भर्तियों के दम पर वोट मांग रही है।

एलडीए इंजीनियरों के वायरल वीडियो की जांच करेगी समिति

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (LDA) के इंजीनियरों से जुड़े कथित लेनदेन के वायरल वीडियो की सत्यता की जांच कराई जाएगी। वीडियो में अवैध निर्माण कराने के एवज में लेनदेन का मामला सामने आने के बाद एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने जांच समिति गठित करने के आदेश जारी किए हैं। समिति वीडियो की सत्यता और पूरे मामले की जांच कर एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट वीसी को सौंपेगी। एलडीए वीसी के आदेश पर अपर सचिव ज्ञानेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई गई है। इसमें प्रभारी अधिकारी अधिष्ठान, ओएसडी आईटी देवांश त्रिवेदी और अधिशासी अभियंता मनोज सागर को सदस्य बनाया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एलडीए के जिन इंजीनियरों के दिखाई देने का दावा किया जा रहा है, उनकी पहचान जोनल अधिकारी एम. सिंह और अवर अभियंता आर. विश्वकर्मा के रूप में बताई जा रही है।

राजधानी में किसानों को पुलिस ने रोका हाईवे जाम

चकबंदी आयुक्त कार्यालय का घेराव करने निकले

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में चकबंदी आयुक्त कार्यालय का घेराव करने जा रहे सोनभद्र के किसानों को पुलिस ने सभा खेड़ा गांव के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक लिया। मौके पर पहुंचे एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार समेत पुलिस अधिकारियों ने किसान नेताओं को समझाया। इसके बाद किसानों को कल्ली पश्चिम की ओर भेज दिया गया। किसान 521 दिनों से सोमभद्र में धरना दे रहे थे। अब किसान पैदल और ट्रैक्टरों से कल्ली पश्चिम के पीछे नहर के रास्ते वृंदावन मैदान पहुंचेंगे। इससे पहले कल्ली पश्चिम के पास रोके जाने पर किसानों ने नारेबाजी की, जिससे सड़क पर जाम लग गया था। मौके पर एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार और एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ यादव भारी पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुलिस ने किसानों को समझाकर ट्रैफिक सामान्य कराने की कोशिश की। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति (अ.रा.) के नेतृत्व में किसान सोनभद्र से लखनऊ पहुंचे हैं। किसान करीब 521 दिनों से चकबंदी में गड़बड़ी के खिलाफ धरना दे रहे थे। उनका आरोप है कि सोनभद्र जिले की घोरावल तहसील के मैंसवार गांव में चकबंदी प्रक्रिया के दौरान अधिकारियों ने गंभीर गड़बड़ी की है। किसानों का कहना है कि चकबंदी से जुड़ी समस्याओं को लेकर कई बार संबंधित कार्यालय में अधिकारियों से बातचीत की गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला।

समझौता : स्थानीय स्तर पर युवाओं को मिलेंगी नौकरियों की जानकारी

योगी सरकार में हुनर को रोजगार से जोड़ने की डिजिटल पहल

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कौशल विकास को रोजगार से जोड़ने और युवाओं के लिए अवसरों की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में तकनीक आधारित पहल को विस्तार दिया जा रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) के 'Blue DotsAI' प्लेटफॉर्म को प्रदेश के सभी 18 मंडलों तक पहुंचाने की तैयारी है। इसके माध्यम से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध नौकरियों और हुनरमंद युवाओं को एक साझा डिजिटल मंच पर लाया जाएगा, ताकि युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार तलाशने में आसानी हो और उद्योगों को अपनी जरूरत के मुताबिक योग्य उम्मीदवार मिल सकें।

मिशन निदेशक पुलकित खरे के निर्देशन में गुरुवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन और एक स्टेप फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इसके साथ जून से संचालित इस पहल को औपचारिक रूप से मिशन से जोड़ दिया गया है। यह पहल प्रदेश में कौशल प्रशिक्षण को उद्योगों की वास्तविक मांग से जोड़ने तथा रोजगार तलाशने की प्रक्रिया को अधिक सुलभ बनाने के प्रयासों को गति देगी।

'Blue DotsAI' एक डिजिटल डिस्कवरी प्लेटफॉर्म है, जहां मैप के माध्यम से आसपास उपलब्ध नौकरियों और उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। गाजियाबाद में इसके पायलट प्रोजेक्ट के दौरान 20 से 25 किलोमीटर के दायरे में 25 हजार से अधिक नौकरियों को मैप पर खोजने योग्य बनाया गया है। अब इसी अनुभव के आधार पर प्लेटफॉर्म का विस्तार प्रदेश के सभी 18 मंडलों में करने की योजना है। इसके माध्यम से युवा संबंधित कंपनी, रिक्त पदों की संख्या, शुरुआती वेतन, ओवरटाइम तथा पिक-अप और ड्रॉप जैसी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

यूपी के 18 मंडलों में शुरू होगा 'ब्लू डॉट्स एआई'

डिजिटल मैप पर दिखेंगी वैकेंसी और हुनरमंद उम्मीदवार

यूपीएसडीएम और एक स्टेप फाउंडेशन के बीच एमओयू, एआई वॉइस बॉट से नौकरी तलाशने और आवेदन में मिलेगी मदद

प्रमुख विशेषता एआई आधारित वॉइस बॉट

'Blue DotsAI' की प्रमुख विशेषता एआई आधारित वॉइस बॉट है। इसके जरिए कंपनियां और इंडस्ट्री एसोसिएशन हिंदी, अंग्रेजी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में बोलकर अपनी भर्ती संबंधी जरूरतें दर्ज करा सकेंगे। इससे वैकेंसी की जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आसान होगी। वहीं, एआई वॉइस बॉट उम्मीदवारों से संपर्क कर उनकी प्रोफाइल के अनुरूप उपलब्ध नौकरियों की जानकारी दे सकेगा। उम्मीदवार की सहमति से आवेदन प्रक्रिया में भी सहायता मिलेगी। इसके साथ काउंसलिंग, मॉक इंटरव्यू और इंडस्ट्री एसोसिएशन के साथ सीधे संवाद की व्यवस्था के माध्यम से युवाओं को रोजगार के लिए तैयार करने पर भी जोर दिया जाएगा।

नीट में एडमिशन के नाम पर 36 लाख की ठगी इंस्टाग्राम पर दिखा था विज्ञापन

लखनऊ में फर्जी अलॉटमेंट लेटर और फीस रसीद थमाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ की रहने वाली महिला से बेटी का नीट के जरिए सरकारी मेडिकल कॉलेज में एडमिशन दिलाने के नाम पर 36.89 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देकर महिला से संपर्क किया। खुद को एडमिशन काउंसलर बताकर बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (BMCRI) में दाखिला दिलाने का भरोसा दिया। ठगों ने फर्जी अलॉटमेंट लेटर और फीस की रसीद भी भेजी।

महिला के मुताबिक, आरोपियों ने अलग-अलग बैंक खातों में 36.89 लाख रुपये ट्रांसफर कराए, जबकि 10 लाख रुपये हवाला के जरिए नकद लिए। 10 अक्टूबर को जब महिला बेटी का एडमिशन कराने बेंगलुरु पहुंचीं, तब उन्हें ठगी का पता चला। पीड़िता के अनुसार, आरोपियों ने शुरुआत में सरकारी मेडिकल कॉलेज में डोनेशन या इंस्टीट्यूट लेवल कोटे से प्रवेश दिलाने का भरोसा दिया। इसके लिए बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के नाम से दस्तावेज और ई-मेल भी भेजे गए। आरोपियों ने पहले 30 लाख रुपए में प्रवेश दिलाने की बात कही, लेकिन बाद में डोनेशन के नाम पर 45 लाख रुपए की मांग करने लगे।

इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देखकर किया संपर्क

ग्रीनवुड अपार्टमेंट निवासी सुमन कटियार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी को 1 अक्टूबर 2026 को इंस्टाग्राम पर 'डॉक्टर एडमिशन डेस्क' नाम से एक विज्ञापन दिखा था। विज्ञापन पर आवेदन करने के बाद उन्हें व्हाट्सएप के जरिए विजय कुमार, अभिषेक कुमार और तरुण कुमार के मोबाइल नंबर दिए गए। महिला ने बताया कि तीनों से संपर्क करने पर उन्होंने खुद को एडमिशन काउंसलर बताया। आरोपियों ने दावा किया कि वे पिछले चार-पांच साल से मेडिकल कॉलेजों में दाखिला दिलाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने बेटी का बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज में एडमिशन कराने का भरोसा दिया।

जौनपुर में दो बाइक्स की आमने-सामने की भीषण टक्कर, रामलीला देखने जा रहा था

स्टेट लेवल खो-खो खिलाड़ी समेत दो ने जान गवाई

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

जौनपुर । जौनपुर में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में स्टेट लेवल के खो-खो खिलाड़ी समेत 2 की मौत हो गई। वह बुधवार रात करीब 11:30 बजे अपने चचेरे भाई के साथ बाइक से रामलीला देखने मछलीशहर जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों पर सवार पांचों लोग कई फीट उछलकर सड़क पर गिर पड़े। दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

पुलिस की मदद से सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने खो-खो खिलाड़ी समेत 2 युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना जिला मुख्यालय से करीब 27 किलोमीटर दूर सिकरारा थाना क्षेत्र के मछलीशहर-अरुआवा रोड की है। मृतक की पहचान लाजीपार निवासी धरम सरोज (22) के रूप में हुई है। वह अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। हादसे में उनके चचेरे भाई और दूसरी बाइक पर सवार तीन लोग घायल हुए हैं।

सिकरारा थाना प्रभारी तेज बहादुर सिंह ने बताया रात में सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है। अभी तहरीर नहीं मिली है। अन्य घायलों का इलाज कराया जा रहा है, जिनमें इलाज के दौरान एक और की मौत हो गई। बाकी 3 का इलाज जारी है।

शिवम घर से बिना बताए मेला देखने निकला था

दूसरी बाइक पर सवार शिवम(22) की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। वह भदोही स्थित अपने घर से बिना बताए मेला देखने निकला था। इसके लिए वह पहले अपनी बुआ के घर जौनपुर के बरसठी पहुंचा था, जहां से वह अपने बुआ के बेटे विशाल और गांव के दोस्त अजय के साथ गुरुवार शाम करीब आठ बजे मेला देखने निकला था। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक से उनकी टक्कर हो गई। हादसे में शिवम की मौत हो गई, जबकि उसके दो अन्य साथी घायल हो गए। शिवम कक्षा नौ का छात्र था और गांव के ही सरकारी विद्यालय में पढ़ता था। वह तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके पिता खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

धरम स्टेट लेवल के खो-खो खिलाड़ी था। वह 57वीं सीनियर राष्ट्रीय खो-खो चैंपियन-शिप-2025 भी खेल चुका था।

जिला स्तर से स्टेट टीम तक बनाई पहचान

धरम ने वर्ष 2015 में जिला स्तर पर खो-खो खेलना शुरू किया था। वर्ष 2018 में उनका चयन उत्तर प्रदेश की स्टेट टीम में हुआ। इसके बाद उन्होंने अलग-अलग राज्यों में आयोजित प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और कई मुकाबलों में जीत हासिल की। वह जनता इंटर कॉलेज में अभ्यास करते थे। धरम का चयन 57वीं सीनियर राष्ट्रीय महिला-पुरुष खो-खो चैंपियनशिप-2025 के लिए भी हुआ था। यह प्रतियोगिता 31 मार्च से 4 अप्रैल 2025 तक ओडिशा में आयोजित की गई थी। में उनकी पत्नी आशा देवी, तीन बेटियां रंजना, पूजा और प्रीति और एक बेटा धरम था। तीन बेटियों में से एक की शादी हो चुकी है। धरम बुधवार रात अपने चचेरे भाई सूरज के साथ रामलीला देखने मछलीशहर जा रहे थे। मछलीशहर-अरुआवा मार्ग पर अरुआवा के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। नमें एक और की इलाज के दौरान मौत हो गई। बाकी 3 का इलाज चल रहा है। लाजीपार निवासी लल्लू सरोज (48) सूरत की एक कंपनी में नौकरी करते हैं। परिवार

'कच्चा बादाम गर्ल' को 1.20 करोड़ का नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में 15 अक्टूबर को हुए नगाड़ा नाइट कार्यक्रम का विवाद बढ़ता जा रहा है। आयोजकों ने गुरुवार को 'कच्चा बादाम गर्ल' अंजलि अरोड़ा को 1.20 करोड़ रुपए का लीगल नोटिस भेजा है।

उनका कहना है कि अंजलि को 45 मिनट की परफॉर्मेंस करनी थी, लेकिन वह स्टेज पर देर से पहुंचीं। फिर करीब 12 मिनट बाद कार्यक्रम छोड़कर चली गईं। अंजलि को 2.75 लाख रुपए का भुगतान भी किया गया था।

आयोजकों का कहना है कि उन्हें करीब 20 लाख रुपए का नुकसान हुआ। आयोजकों ने अंजलि के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए स्वरूप नगर थाने में शिकायत भी दी है। वरिष्ठ अधिवक्ता करीम अहमद सिद्दीकी ने बताया- 15 अक्टूबर को लाजपत भवन लॉन में नगाड़ा नाइट्स कार्यक्रम था। कार्यक्रम का आयोजन शोर बैंड के

कानपुर में आयोजक बोले- 45 मिनट की जगह 12 मिनट डांस किया, पूरे पैसे भी लिए

संचालक अमन निगम, डिजिटल मार्केटिंग कंपनी के संचालक आशीष कुमार और इवेंट प्लानर अनुभव राज ने किया था। अंजलि की मैनेजर प्रीति दुबे से बातचीत के बाद 3 लाख रुपए में शो तय हुआ था।

आयोजकों ने अलग-अलग खातों में 2.75 लाख रुपए ट्रांसफर किए थे। अंजलि और उनकी टीम के 4 सदस्यों के आने-जाने के हवाई टिकट और रहने-खाने की व्यवस्था भी आयोजकों ने की थी।

फास्ट न्यूज

दवा कारोबारी विनीत मिनोचा की पत्नी कोर्ट में पेश

कानपुर । कानपुर में दवा कारोबारी विनीत मिनोचा की हत्या के बाद उनके कारोबार को लेकर कानूनी कार्रवाई चल रही है। गुरुवार को सीजेएम कोर्ट में बेटे से पावर ऑफ अटार्नी रजिस्टर्ड कराने के मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान कारोबारी की पत्नी कोर्ट में पेश हुईं। विनीत की हत्या के मामले में पुलिस उनके बेटे समेत तीन आरोपियों को जेल भेज चुकी है।

कानपुर में कार से घसीटकर हत्या मामले में नया मोड़

कानपुर। कानपुर में बुधवार को युवक को कार की छत पर टांगकर डेढ़ किलोमीटर तक दौड़ाकर हत्या के मामले में नया मोड़ आया है। पुलिस ने इसे 'हिट एण्ड रन' का केस माना है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी तेज रफ्तार कार से गुजर रहे थे, इसी बीच युवक उनकी कार के सामने आ गया। टक्कर लगने के बाद युवक पहले कार के बोनट और फिर छत पर टंग गया। डर के चलते आरोपी ने कार नहीं रोकी। करीब 1.5 किलोमीटर तक भगाने के बाद उसे गिराकर भाग गए। चोटें लगने की वजह से युवक की मौत हो गई।

कानपुर में नकली सीमेंट, 100 की बोरी 400 में बेची

कानपुर । कानपुर में नकली सीमेंट बनाने के मामले में मेरठ के आरोपी निशांत मित्तल से पूछताछ में कई खुलासे हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, वह कंपनियों की डैमेज सीमेंट की बोरियां खरीदकर कानपुर भेजता था। यहां उनमें भट्ठे की राख और केमिकल मिलाकर दोबारा पैकिंग की जाती थी। आरोप है कि एसीसी और अंबुजा के नाम से तैयार नकली सीमेंट की बोरियां बाजार में 300 से 400 रुपए में बेची जाती थीं।

आगरा में 5 करोड़ की दवाओं की जांच अटकी

झाड़ियों से मिलीं थी 5 नामी कंपनियों की दवाईयां

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । आगरा के धनौली और टेढ़ी बगिया में बरामद नामी कंपनियों की दवाओं के मामले में जांच की रफ्तार धीमी है। औषधि विभाग ने दवाओं की वास्तविकता और उनकी सप्लाई का पता लगाने के लिए पांच कंपनियों को नोटिस भेजे थे, लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी किसी ने जवाब नहीं दिया। अब विभाग ने दोबारा रिमाइंडर भेजकर जानकारी मांगी है।

धनौली में एक अवैध गोदाम और टेढ़ी बगिया में नाले व झाड़ियों से बड़ी मात्रा में दवाएं मिली थीं। इनकी अनुमानित कीमत करीब पांच करोड़ रुपये बताई गई है। जांच में देश-विदेश की पांच नामी कंपनियों की दवाएं मिलने की बात सामने आई थी। औषधि विभाग ने संबंधित कंपनियों को ईमेल के जरिए दवाओं

के बैच नंबर, एक्सपायरी डेट, QR कोड और अन्य विवरण भेजे थे। उनसे पूछा गया था कि बरामद दवाएं उनकी कंपनी की हैं या नहीं। दवाएं कंपनी की होने पर उनकी बिक्री और सप्लाई से जुड़ी जानकारी मांगी गई थी। वहीं, दवाएं कंपनी की नहीं होने की स्थिति में इस संबंध में रिपोर्ट देने को कहा गया था।

निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने पर विभाग ने कंपनियों को रिमाइंडर भेजे हैं। उनके जवाब से यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि दवाएं कहां से आईं और उनकी सप्लाई किस माध्यम से हुई।

सरयू तट के 56 घाटों पर शुरू हुई मार्किंग, शुक्रवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच होगा भूमि पूजन

योगी सरकार के दसवें दीपोत्सव की तैयारी तेज

- 30 लाख दीपों से जगमगाएगी रामनगरी
- दीप सज्जा के लिए 33 लाख दीपों की व्यवस्था, तीन से चार दिन में पूरी होगी मार्किंग
- अवध विश्वविद्यालय जुटाएगा 35 हजार वालंटियर, घाटवार सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या एक बार फिर भव्य दीपोत्सव के लिए तैयार हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले दसवें दीपोत्सव

को ऐतिहासिक बनाने के लिए सरयू तट पर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस बार 56 घाटों पर 30 लाख दीप प्रज्ज्वलित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए घाटों की साफ-सफाई के बाद मार्किंग का काम शुरू हो चुका है। दीपों की सजावट से लेकर स्वयंसेवकों की तैनाती तक की तैयारियां योजनाबद्ध तरीके से की जा रही हैं। दीपोत्सव की शुरुआत के लिए शुक्रवार को भूमि पूजन होगा। इस वर्ष विस्तारित राम की पैड़ी, चौधरी चरण सिंह घाट और भजन संध्या स्थल सहित कुल 56 घाटों पर दीप सजाए जाएंगे। इससे पहले दीपोत्सव का आयोजन 55 घाटों पर होता था। प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि सभी घाटों पर दीयों की व्यवस्थित श्रृंखला बिछाने के लिए माइक्रो-प्लानिंग के तहत काम किया जा रहा है, ताकि तय समयसीमा में तैयारियां पूरी की जा सकें। मार्किंग कमेटी के संयोजक एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने बताया कि दीपों को सटीक और आकर्षक स्वरूप में सजाने के लिए चार वर्ग फीट के ब्लॉक चिह्नित किए जा रहे हैं। दीपोत्सव को सफल बनाने के लिए 35 हजार वालंटियर लगाए जाएंगे। इनमें 30 डिग्री कॉलेजों, 40 इंटर कॉलेजों और अवध विश्वविद्यालय परिसर के विद्यार्थी शामिल होंगे। साकेत महाविद्यालय, राजकरण वैदिक पाठशाला इंटर कॉलेज, साहबदीन सीताराम इंटर कॉलेज, मनोहर लाल इंटर कॉलेज, आर्य कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, शिव सावित्री महाविद्यालय, कैनोसा इंटर कॉलेज, ग्रामर इंटरनेशनल स्कूल, एमआर जयपुरिया स्कूल, बीएस गर्ल्स डिग्री कॉलेज और भगवान आशा बख्श सिंह महाविद्यालय सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थी इसमें भागीदारी करेंगे। वालंटियर घाटों पर दीप बिछाने से लेकर उन्हें प्रज्ज्वलित करने तक की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके लिए विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

30 लाख दीपों के लक्ष्य के लिए मंगाए जा रहे 33 लाख दीप

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एवं दीपोत्सव के नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि दीपों को लाने और बिछाने के दौरान कुछ दीप टूट जाते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए 30 लाख दीप प्रज्ज्वलित करने के लक्ष्य के मुकाबले 33 लाख दीप मंगाए जा रहे हैं। घाटों की साफ-सफाई के बाद योजनाबद्ध तरीके से मार्किंग शुरू कर दी गई है। घाटों पर इस्तेमाल होने वाली सामग्री नगर निगम के रानी हो पार्क के पास रखवाई जा रही है, ताकि तैयारियों को व्यवस्थित ढंग से पूरा किया जा सके।

शुक्रवार सुबह घाट संख्या 10 पर होगा भूमि पूजन

दीपोत्सव के सकुशल और निर्विघ्न आयोजन की कामना के साथ अवध विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से शुक्रवार, 23 अक्टूबर को सुबह 7:30 बजे सरयू तट स्थित घाट संख्या 10 पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन किया जाएगा। अनुष्ठान कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के कर-कमलों से संपन्न होगा। इसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, संकाय सदस्य और समन्वयक शामिल होंगे।

बोले- थोड़ी इज्जत दे दी तो सिर पर चढ़ गए, रामपुर जेल में 1 घंटे मुलाकात की

'आजम 11 महीने बाद याद आए' सवाल पर भड़के अखिलेश यादव

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर । सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को रामपुर जेल में आजम खान से मुलाकात की। जेल प्रशासन ने मुलाकात के लिए 45 मिनट का समय दिया था, लेकिन दोनों के बीच 1 घंटा 9 मिनट तक बातचीत हुई।

मुलाकात के बाद अखिलेश ने कहा, "रामपुर, जिसके नाम में ही राम है, वहां रामराज्य की भावना को मार दिया गया है। रामराज्य की भावना को कुचला जा रहा है।"

उन्होंने कहा, "आजम थे, आजम हैं और आजम रहेंगे। फर्जी मुकदमों में इतनी ताकत नहीं कि उन्हें जेल में रख सकें।" अखिलेश ने आरोप लगाया कि भ्रष्ट अधिकारी फर्जी मुकदमे दर्ज कराने का हथियार बन रहे हैं, लेकिन अब धीरे-धीरे अधिकारी भी साथ छोड़ रहे हैं। पत्रकारों ने जब अखिलेश से पूछा कि आजम खान से मिलने आने में 11 महीने क्यों लग गए, तो वह भड़क गए। उन्होंने कहा- मेरी जानकारी में नहीं है कि किस चैनल का दाना लेकर आए हैं। लेकिन थोड़ी इज्जत दे दी तो सिर पर चढ़ गए। अखिलेश का हेलिकॉप्टर दोपहर करीब डेढ़ बजे जौहर यूनिवर्सिटी के हेलीपैड पर उतरा।

आजम खान अपने बेटे अब्दुल्लाह आजम के साथ पैन कार्ड मामले में रामपुर जेल में बंद है। उन्हें एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट ने 7 साल की सजा सुनाई है। उन्होंने हाईकोर्ट में अपील की है और राहत का इंतजार कर रहे हैं।

अखिलेश बोले- भाजपा को पढ़ाई-लिखाई से मतलब नहीं, यूनिवर्सिटी बर्बाद करने की साजिश रची

आजम से मुलाकात के बाद अखिलेश ने कहा, भाजपा को पढ़ाई लिखाई से कोई लेना देना नहीं है। यूनिवर्सिटी को बर्बाद करने के लिए जो साजिश और षड्यंत्र रचा गया है। शिक्षा के क्षेत्र को इतना बर्बाद करने के लिए किसी सरकार या किसी तानाशाह ने नहीं किया होगा। थोड़ी देरी हो सकती है लेकिन फर्जी मुकदमों में इतनी ताकत नहीं है कि सच्चाई को कैद करके रख सकें।

आजम के बेटे अदीब बोले- यह पारिवारिक मुलाकात थी, कोई राजनीतिक चर्चा नहीं हुई

रामपुर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की आजम खान से मुलाकात पर उनके बेटे अदीब आजम खान ने कहा कि सभी लोग खुश थे। अखिलेश यादव पहले यूनिवर्सिटी गए, फिर जेल में आजम खान से मुलाकात की और इसके बाद घर चले गए।

अदीब ने कहा कि यह एक सामान्य मुलाकात थी। आजम खान से जेल में क्या बातचीत हुई, यह वही या अखिलेश यादव बेहतर बता सकते हैं। अगर कोई गंभीर या अहम चर्चा हुई होगी, तो वह जेल के अंदर दोनों के बीच हुई होगी। यह एक पारिवारिक मुलाकात थी, न कि कोई राजनीतिक या गंभीर चर्चा।

आगरा में पोस्टर पर राहुल-अखिलेश के लिए लिखा- 'देश का गद्दार'

ममता बनर्जी समेत कई विपक्षी नेताओं के लगे फोटो

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले आगरा में राजनीतिक पोस्टर चर्चा में है। शमसाबाद रोड स्थित राजपुर चुंगी पर योगी यूथ ब्रिगेड की ओर से लगाए गए पोस्टर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प जताया गया है। पोस्टर में हवन-पूजन करते हुए योगी की तस्वीर भी लगाई गई है। पोस्टर पर विपक्षी दलों के कई प्रमुख नेताओं की तस्वीरों के साथ आपत्तिजनक टिप्पणियां लिखी गई हैं। चुनाव से पहले सामने आए इस पोस्टर की भाषा को लेकर राजनीतिक विवाद की आशंका जताई जा रही है।

पोस्टर पर 'सत्ताईस में फिर सन्यासी, मिशन 2027-फिर एक बार योगी सरकार' का नारा दिया गया है। इसके जरिए संगठन ने आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार दोबारा बनाने का संदेश

रखा है। पोस्टर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी, समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव, आम आदमी पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल, आजाद समाज पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद, पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की तस्वीरें शामिल हैं। इन नेताओं की तस्वीरों के साथ उन्हें 'देश के गद्दार और जिन्ना के एजेंट' बताने वाले शब्द लिखे गए हैं। पोस्टर पर 'जो हिंदू हित की बात करेगा, वही प्रदेश में राज करेगा' का नारा भी दर्ज है।

पोस्टर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष कुंवर अजय तोमर की तस्वीर लगी है।

पृष्ठ 01 का शेष...

न्यायिक कस्टडी में...

मेडिकल कराने के बाद तीनों आरोपियों को पुलिस कोर्ट लेकर पहुंची है। मॉडल श्रद्धा को पुलिस कोर्ट में पेश कर 14 दिन की रिमांड मांगेगी।

सिविल अस्पताल में तीनों का मेडिकल कराया गया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। साथ ही अस्पताल परिसर में आने जाने वाले लोगों पर पुलिस की नजर रही।

डीसीपी सेंट्रल अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि शिवा शर्मा हत्याकांड में नागपुर से गिरफ्तार तीनों आरोपियों को रिमांड पर लाकर विस्तृत पूछताछ की गई है। उनके पास से बरामद दो मोबाइल फोन और अन्य सामान को सील कर दिया गया है। इसकी फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के लिए भेजा गया है। उन्होंने बताया कि पूछताछ में सामने आए तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है। साथ ही, पिछले 10 दिनों के दौरान आरोपियों की किस-किस ने मदद की, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। आरोपियों की मदद करने वालों के खिलाफ साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मॉडल श्रद्धा से साढ़े 6 घंटे पूछताछ के बाद पुलिस ने सिविल अस्पताल में मेडिकल कराने के लिए लेकर आई है। यहां मॉडल श्रद्धा उसकी बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश का मेडिकल कराया जा रहा है। इस दौरान अस्पताल परिसर में भारी पुलिस बल तैनात है।

तिरंगा फहराने के...

इसके बावजूद 13 अक्टूबर को आशुतोष और सौरव तिरंगा लेकर वहां पहुंच गए। शांति नियम तोड़ने के आरोप में उन्हें 5 दिन के लिए जेल भेजा गया था। फिर 19 अक्टूबर को उनकी हिरासत 2 दिन और बढ़ा दी गई थी। इससे पहले बुधवार को ही दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में दखल देने से मना कर दिया। कोर्ट ने कहा था कि नेता पहले मजिस्ट्रेट का फैसला आने दें। जरूरत पड़ने पर ऊपरी अदालत का दरवाजा खटखटाएं।

AISA अध्यक्ष नेहा बोरा ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट में कहा कि वह CJP के 16 अक्टूबर के प्रदर्शन के आह्वान में शामिल नहीं थीं। उनका प्रदर्शन अलग था। बोरा ने दिल्ली पुलिस के उस नोटिस को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें जांच के दौरान शांति बनाए रखने के लिए 10,000 का निजी मुचलका और एक जमानतदार देने को कहा गया है था।

कांग्रेस 30 साल तक...

अगर चुनाव जीतना है तो जनता के बीच जाइए और उनकी समस्याएं समझिए। ये प्रदर्शन और धरने कुछ हासिल नहीं करेंगे। जहां आपकी सरकार है, वहां जनता के कल्याण के लिए योजनाएं लागू कीजिए, नहीं तो बाकी जगहों से भी आपका सफाया हो जाएगा।

भाजपा की जीत के बाद चुनाव में गड़बड़ी के आरोप लगाए जाते हैं। दरअसल विपक्ष वोट चोरी का मुद्दा उठाकर अपनी हार का बहाना बना रहा है। जब विपक्ष चुनाव हारता है तो चुनाव आयोग की आलोचना करता है, जबकि अदालतों के फैसले अपने पक्ष में आने पर उन्हें सही बताता है। शाह ने केरल, हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में विपक्षी दलों की जीत का हवाला देते हुए कहा कि वहां भी वही EVM और चुनाव आयोग थे। जब मैं कहता हूं कि भाजपा 30 साल तक सत्ता में रहेगी, तो वे फिर वोट चोरी के आरोप लगाने लगते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि मैं यहीं पैदा हुआ, यहीं रहता हूं और यहीं मरूंगा। मुझे हर छह महीने में विदेश जाने की जरूरत नहीं है। मैं कह रहा हूं कि आपकी नकारात्मक राजनीति के कारण आप 30 साल तक सरकार नहीं बना पाएंगे।

2027-28 तक...

डॉ. जोशी ने बताया कि कुछ देशों ने लड़ाकू विमान से लॉन्च की जा सकने वाली बह्मोस को अपनी एयरफोर्स में शामिल करने में रुचि दिखाई है। इन देशों के पास सुखोई-30 विमान मौजूद हैं।

इसके अलावा, कुछ देशों ने ब्रह्मोस-एनजी की इच्छा भी जताई है, जिसे पहले एयरबोर्न कॉन्फिगरेशन में विकसित किया जाएगा। डॉ. जोशी के मुताबिक, मिसाइल के ऑपरेशन सिंदूर में प्रदर्शन के बाद विदेशी सेनाओं की इसके ऑपरेशनल और फंक्शनल पैरामीटर्स में दिलचस्पी बढ़ी है। सेनाएं ऐसा अत्याधुनिक सिस्टम चाहती हैं, जो तेजी से बदलते युद्ध के माहौल के अनुसार खुद को ढाल सके। डॉ. जोशी ने कहा कि ब्रह्मोस एक बेहद आधुनिक हथियार है। यह समय के साथ विकसित हो रहा है और इसने अपने प्रदर्शन की क्षमता साबित की है। पूरे ऑपरेशन के दौरान मिसाइल ने दुश्मन के ठिकानों पर सटीक निशाना लगाया। इस दौरान एक भी मिसाइल इंटरसेप्ट नहीं हुई।

'दुनिया बदल रही...

दूसरे विश्व युद्ध ने दुनिया को एक बड़ा सबक दिया था। दुनिया ने समझा था कि सम्मान, सहयोग और विवादों का समाधान भी जरूरी है। इसी ने यूएन की नींव रखी।

यूएन ने अपनी भूमिका तो निभाई लेकिन आज दुनिया के सामने नई चुनौती है। टेक्नोलॉजी ने दुनिया को पूरी तरह बदल दिया। पहले जो देश उस वक्त ग्लोबल ऑर्डर का हिस्सा नहीं थे अब वो भी वहां आ गए हैं।

लेकिन यूएन के सामने आज की चुनौतियां साफ दिखाई देती हैं। क्यों जब दुनिया की समस्याएं बदल जाएं और समाधान का तरीका नहीं बदले तो दूरियां दिखती हैं। और आज वही हो रहा है।

आज ट्रेड वेपनाइजेशन का माध्यम बन रहा है, सी रूट आज जियोपॉलिटिकल टेंशन का केंद्र बन रहे हैं। इसलिए चुनौती ये है कि नई वास्तविकताओं को जगह कैसे मिले।

यहां से भारत की भूमिका भी सामने आती है। 2020 में जब मैंने कहा था दुनिया के लिए एक नए वर्ल्ड ऑर्डर की जरूरत है। यानी ऐसी व्यवस्था जिसके केंद्र में लोग हों।

आज ये सवाल तो है ही कि वर्ल्ड ऑर्डर बदल रहा है तो लेकिन ये भी समझना जरूरी है कि हम कैसे इस बदलती दुनिया में बदलती आवाजों को भी मुख्यधारा का हिस्सा बना सकेंगे।

हमारे यहां चाणक्य ने कहा है कि व्यवस्था कमजोर पड़ती है तो मत्स्य न्याय पैदा होता है। यानी बड़ी मछली छोटी मछली को निगल जाती है।

कोरोना के दौर में हमने देखा कि सब स्वार्थी हो गए थे लेकिन उस दौरान भी भारत ने पूरी दुनिया में वैक्सीन पहुंचाई।

चुनाव से पहले...

नेतन्याहू के मुताबिक, मोदी ने निमंत्रण के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भारत और इजराइल आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ते हैं। मोदी ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों की भी सराहना की।

भारतीय पायलट...

अब उन्होंने मोदी से सीधे बात कर इस निमंत्रण का जिक्र किया है।

30 सितंबर को दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की फ्लाइट FZ1073 में ओमानी को-पायलट हमाद अल-हमामी ने भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर क्रैश एक्स (कुल्हाड़ी) से हमला कर दिया था। हमले के दौरान विमान तेजी से नीचे आने लगा। यात्रियों और क्रू ने हमलावर को काबू किया। इसके बाद दो अन्य पायलटों ने विमान की कमान संभाली और उसे सऊदी अरब के तबुक में सुरक्षित उतारा। विमान में 172 लोग सवार थे।

दिल्ली नगर निगम...

अब यह पूरा मामला सदन की अनुशासनात्मक कमेटी को भेज दिया गया है, जो आरोपी पार्षदों के बर्ताव की जांच कर कार्रवाई तय करेगी।

जम्मू-कश्मीर में...

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने 9 सितंबर को हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े पूर्व आतंकी मंजूर अहमद भट को गिरफ्तार किया। उसके पास से चीन में बनी पिस्तौल, 2 मैगजीन और 16 गोलियां बरामद हुईं।

पुलिस के मुताबिक, मंजूर पहले भी 2 मामलों में गिरफ्तार हो चुका है।

जापान में पैरा एशियन गेम्स से वापस भेजा

भारतीय स्विमर पर होटल स्टाफ से छेड़छाड़ का आरोप

विचार

एक रिपोर्ट के अनुसार, पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया शम्स आलम पर लाइफ टाइम बैन लगाने पर विचार कर रही है।

नई दिल्ली, एजेंसी

पैरा एशियन गेम्स में हिस्सा लेने गए भारतीय तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख को जापान से वापस भेज दिया गया है। उन पर नागोया के होटल में महिला हाउसकीपिंग कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगे हैं। मामला सोमवार 19 अक्टूबर का है। आलम शेख को मंगलवार 20 अक्टूबर को डिपोर्ट किया गया। मामले की जानकारी गुरुवार को बाहर आई।

भारतीय तैराक मोहम्मद शम्स आलम शेख पर जापान में यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है।

स्थानीय आयोजन समिति ने चीफ-डी-मिशन को सूचित किया कि होटल में यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ की घटना हुई है।

स्थानीय पुलिस ने एक भारतीय एथलीट को हिरासत में ले लिया है। जब हम होटल पहुंचे, तब पुलिस और होटल के अधिकारी वहां मौजूद थे।

हमें बताया गया कि एथलीट ने हाउसकीपिंग स्टाफ की एक महिला कर्मचारी को गलत तरीके से छुआ, अश्लील इशारे किए और उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। मोहम्मद शम्स आलम शेख बिहार के मधुबनी जिले के रहने वाले हैं और मुंबई के धारावी इलाके में अपने परिवार के साथ रहते हैं।

2018 पैरा एशियन गेम्स में जीते 2 गोल्ड मेडलशेख ने 2018 में इंडोनेशिया के जकार्ता में हुए एशियन पैरा गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इस प्रतियोगिता में उन्होंने 200 मीटर और 50 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में गोल्ड मेडल जीते थे। इंटरनेशनल गेम्स 2025 में रिकॉर्ड भी बनाया 2025 में आइसलैंड के रेक्याविक में हुए इंटरनेशनल गेम्स में शेख ने 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में गोल्ड मेडल जीता था। इस दौरान उन्होंने भारतीय और एशियाई रिकॉर्ड भी बनाए थे। 2026 एशियन पैरा गेम्स में लेने वाले थे हिस्साशेख जापान के नागोया में होने वाले 2026 एशियन पैरा गेम्स में लगातार तीसरी बार हिस्सा लेने वाले थे। हालांकि, आरोपों के बाद उन्हें प्रतियोगिता से लौटना पड़ा।

हमेशा के लिए बैन लग सकता है

भारतीय दल ने लिखित माफी मांगी

शिकायत मिलने के बाद जापान की पुलिस ने 40 साल के शेख को हिरासत में लेकर पुलिस स्टेशन ले गई। पुलिस ने गिरफ्तारी और मामले को अदालत के सामने पेश करने की मांग की थी। इसके बाद स्थानीय आयोजन समिति ने हस्तक्षेप किया।

भारतीय दल की तरफ से महिला कर्मचारी को लिखित माफी देने और खिलाड़ी को जापान से वापस भेजने की व्यवस्था करने को कहा गया। अधिकारी के मुताबिक, शेख को रात बिताने के लिए दूसरे होटल में भेजा गया और मंगलवार को नागोया से भारत रवाना कर दिया गया।

शम्स आलम ने पिछले साल रेक्याविक इंटरनेशनल गेम्स में 200 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक में गोल्ड मेडल जीता था।

अफगानिस्तान की लगातार दूसरी जीत, बांग्लादेश ट्राई सीरीज से बाहर

राशिद खान के 4 विकेट, रहमत शाह की नाबाद फिफ्टी

नई दिल्ली। अफगानिस्तान ने वनडे ट्राई सीरीज में बुधवार रात बांग्लादेश पर 7 विकेट की जीत दर्ज की। यह अफगानी टीम की लगातार दूसरी जीत है। इसी के साथ बांग्लादेश बाहर हो गए।

शारजाह में बांग्लादेश की टीम 160 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में अफगानिस्तान ने 35.3 ओवर में 3 विकेट पर लक्ष्य हासिल कर लिया। फाइनल मैच अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच 23 अक्टूबर को खेला जाएगा।

राशिद खान को लगातार दूसरे मैच में 4 विकेट मिले हैं। उन्होंने 2 दिन पहले जिम्बाब्वे के खिलाफ भी 4 विकेट लिए थे।

शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस के बाद पहले गेंदबाजी करते हुए बांग्लादेश को 160 रन पर रोक दिया।

अजमतुल्लाह ओमरजई और यामिन अहमदजई ने 2-2 विकेट चटकाए। बांग्लादेश के लिए विकेट-

कीपर परवेज हुसैन एमॉन ने सबसे ज्यादा 70 रन बनाए। हालांकि, उन्हें दूसरे बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। सैफ हसन ने 41 रन बनाए। इस पारी में उन्होंने 82 गेंद खेलीं। ओपनर तंजिद हसन तमीम सिर्फ 1 रन बना सके। सौम्य सरकार पहली ही गेंद पर गोल्डन डक पर आउट हो गए। कप्तान तौहिद हृदय भी खाता नहीं खोल सके। नजमुल हुसैन शांतो ने 15 रन बनाए। मिडिल ऑर्डर में विकेटकीपर परवेज हुसैन इमॉन ने अर्धशतक लगाकर एक छोर संभाले रखा।

दूसरे छोर पर मेहदी हसन मिराज 2 और शोरिफुल इस्लाम 7 रन बनाकर आउट हो गए। अलिस अल इस्लाम भी खाता नहीं खोल पाए।

दवा से जुड़े नियम तोड़े, तेज गेंदबाज ने अपनी गलती पर माफी मांगी

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शट दो मैचों के लिए बैन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगन शट को क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने दो मैचों के लिए बैन कर दिया है। उन्होंने प्रिस्क्रिप्शन दवा के इस्तेमाल से जुड़े नियमों का पालन नहीं किया था।

यह घटना ऑस्ट्रेलियाई टीम के बांग्लादेश दौरे से पहले हुई थी। दवा प्रदर्शन बढ़ाने वाली नहीं थी।

33 साल की शट आज तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ और WBBL में एडिलेड स्ट्राइकर्स के पहले मैच में नहीं खेलेंगी। स्ट्राइकर्स का मुकाबला 31 अक्टूबर को मेलबर्न स्टार्स से होगा।

शट ने अपने बयान में कहा, मैं दी गई सजा को पूरी तरह स्वीकार करती हूं और अपने से तय मानकों का पालन नहीं कर पाने के लिए

माफी मांगती हूं। मुझे मिले सहयोग की मैं सराहना करती हूं। मेगन शट ने दिसंबर 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वह अपनी स्विंग गेंदबाजी और सटीक लाइन-लेंथ के लिए जानी जाती हैं। 2013 वनडे वर्ल्ड कपः भारत में हुए वर्ल्ड कप में 15 विकेट लेकर टूर्नामेंट की सबसे सफल गेंदबाज रहीं। ऑस्ट्रेलिया ने खिताब जीता। 2018 टी-20 इंटरनेशनलः भारत के खिलाफ हैट्रिक ली।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को जारी बयान में बैन की जानकारी दी। शट ने सजा स्वीकार कर ली है। दो मैचों का बैन इंटरनेशनल और डोमेस्टिक दोनों क्रिकेट पर लागू होगा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा, नियमों का उल्लंघन स्पोर्ट्स साइंस एंड स्पोर्ट्स मेडिसिन गाइडलाइंस के तहत प्रिस्क्रिप्शन दवा से जुड़ी जरूरतों का पालन नहीं करने के कारण हुआ।

शीतल-तोमर ने आर्चरी में दिलाया, सुवर्णा ने विमेंस डिस्कस थ्रो में सोना जीता

पैरा एशियन गेम्स में भारत को दिन का तीसरा गोल्ड

नागोया (जापान), एजेंसी

भारत ने पैरा एशियन गेम्स में गुरुवार को तीसरा गोल्ड मेडल जीत लिया। पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी ने महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल इवेंट में सोना जीता। इससे पहले शीतल और तोमर कुमार की जोड़ी ने मिक्स्ड आर्चरी में गोल्ड दिलाया था, जबकि सुवर्णा राज ने महिला डिस्कस थ्रो में स्वर्ण पदक जीता। जापान के नागोया में चल रहे गेम्स के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ियों ने 3 गोल्ड और 8 ब्रॉन्ज सहित 11 मेडल जीते। भारत मेडल टैली में पांचवें स्थान पर है। उसके अब 17 गोल्ड, 22 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज सहित कुल 73 मेडल हो गए

हैं। सुवर्णा ने महिला डिस्कस थ्रो की F54 कैटेरी में 15.66 मीटर थ्रो किया। उन्होंने छह प्रयासों में चार बार 15 मीटर से ज्यादा की दूरी तय की। ईरान की शाहला हदीदी 15.45 मीटर के थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वियतनाम की थी न्गोक थुई गुयेन ने 14.65 मीटर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। F54 कैटेगरी में ऐसे खिलाड़ी आते हैं, जिनके धड़ और निचले अंगों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। ये खिलाड़ी थ्रोइंग चेयर से मुकाबला करते हैं। शीतल देवी और तोमर कुमार ने कंपाउंड

पैरा तीरंदाजी में शीतल देवी ने गोल्ड मेडल जीत लिया। उन्होंने महिलाओं के कंपाउंड इंडिविजुअल फाइनल में सिंगापुर की नूर आलिम स्याहिदाह को 142-139 से हराया।

मिक्स्ड टीम इवेंट में गोल्ड जीता। भारतीय जोड़ी ने फाइनल में इंडोनेशिया की थियोडोरा ऑडी ओडिया फेरेली और केन स्वागुमिलांग को 151-148 से हराया। पहले चार तीर के सेट के बाद भारतीय जोड़ी के पास एक अंक की बढ़त थी। दूसरे सेट के बाद यह बढ़त 4 अंक हो गई। तब भारत का स्कोर 77 और इंडोनेशिया का 73 था।

तीसरे सेट में भारतीय जोड़ी के चारों तीर 9 अंक पर लगे। हालांकि, आखिरी सेट में दोनों ने फिर 38 अंक हासिल किए और गोल्ड अपने नाम किया। शीतल देवी का जन्म बिना बाहों के हुआ

सुवर्णा ने अपना गोल्ड जीतने वाला थो पांचवें प्रयास में किया और पोडियम में पहला स्थान हासिल किया।

है। वे पैरों से धनुष चलाती हैं। वे डोरी खींचने और छोड़ने के लिए कंधे और जबड़े का इस्तेमाल करती हैं। शीतल देवी का जन्म बिना बाहों के हुआ है। वे पैरों से धनुष चलाती हैं। वे डोरी खींचने और छोड़ने के लिए कंधे और जबड़े का इस्तेमाल करती हैं।

मनोरंजन

दिलजीत दोसांझ के शो को नहीं मिली मंजूरी, दिल्ली से शुरू होने वाला था ऑरा इंडिया टूर

30 अक्टूबर को दिल्ली में नहीं होगा दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट

भारत में कब-कब है दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट?

दिलजीत दोसांझ का ऑरा इंडिया टूर 5 दिसंबर तक चलने वाला है। 30 अक्टूबर को दिल्ली के JLN में कॉन्सर्ट था जोकि शायद अब पोस्टपोन हो सकती है। वहीं, 6 और शहरों में दिलजीत परफॉर्म करने वाले थे।

नई दिल्ली। 30 अक्टूबर को दिलजीत दोसांझ दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (JLN) में परफॉर्म करने वाले थे। उनका ऑरा इंडिया टूर दिल्ली से शुरू होने वाला था। टिकट की बिक्री भी शुरू हो गई थी, लेकिन शायद अब यह कॉन्सर्ट नहीं होगा। दरअसल, दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को दिल्ली पुलिस (Delhi Police) की तरफ से परमीशन नहीं मिली है। पहले ये कॉन्सर्ट 1 नवंबर को होने वाला था, लेकिन 1984 के सिख-विरोधी दंगों की बरसी से जुड़ी संवेदनशीलता के कारण इसे 30 अक्टूबर को रखा गया। मगर अब इसे पोस्टपोन कर दिया गया है। मुताबिक, बुकमाईशो को लिखे एक पत्र में पुलिस उपायुक्त (दक्षिण जिला) के कार्यालय की तरफ से कहा गया, ₹14 अक्टूबर 2026 के आवेदन के संदर्भ में आपको सूचित किया जाता है कि 30 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 'दिलजीत दोसांझ के ऑरा इंडिया टूर दिल्ली' के आयोजन के लिए आपके अनुरोध की हमारे कार्यालय द्वारा समीक्षा की गई है। पत्र में आगे लिखा गया, सुरक्षा संबंधी विशिष्ट खतरों के इनपुट और चल रहे त्योहारी सीजन के कारण सुरक्षा और कानून-व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न जिम्मेदारियों और

दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट को नहीं मिली परमीशन।

अन्य महत्वपूर्ण कानून-व्यवस्था संबंधी चिंताओं को देखते हुए इस अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

90 के दशक के आशिकों का फेवरेट था मिथुन-आयशा जुल्का का 'चोरी-चोरी' गाना

कुमार सानू की आवाज, घर-घर में हुआ हिट

नई दिल्ली। बप्पी लहरी को हिंदी सिनेमा में डिस्को किंग (Disco King) के तौर पर जाना जाता है। उनके म्यूजिक में एक अलग ही एनर्जी, अनूठे डिस्को बीट्स और दिल छू लेने वाली मेलोडी होती है।

लोग भले ही बप्पी दा को तेज बीट्स और डिस्को स्टाइल वाले गानों के लिए जानते हो, लेकिन उनके करियर के कुछ सबसे बेहतरीन गाने बेहद धीमे, गहरे और रोमांटिक गाने भी शामिल हैं।

आज ऐसे ही एक गीत के बारे में हम आपको बताने वाले हैं जिसे उसकी सादगी की वजह से कॉलेज के कई नौजवान लड़के-लड़कियां खूब पसंद करते थे। हम बात कर रहे हैं साल 1993 में आई फिल्म दलाल (Dalal) की। इसका गाना चोरी चोरी मैंने भी अंखियां मिलाई रे

काफी पॉपुलर हुआ। इसे मिथुन चक्रवर्ती (Mithun Chakraborty) और आयशा जुल्का (Ayesha Jhulka) पर फिल्माया गया है। इसका संगीत बप्पी लहरी ने दिया था और सुर लगाए थे कुमार सानू और कविता कृष्णामूर्ति ने। इसके लिरिक्स लिखे थे अंजान ने।

कई लोग नहीं जानते हैं लेकिन इस गाने के वीडियो को लेकर कहा जाता है कि मिथुन चक्रवर्ती और आयशा जुल्का के बीच के कई सीन्स काफी हद तक अनस्क्रिप्टेड थे। शूटिंग के दौरान डायरेक्टर पारथो घोष ने इन्हें सीधे कैमरे में कैद कर लिया था। जब यह गाना रिलीज हुआ तो इसकी पॉपुलैरिटी इतनी बढ़ी कि इसके ऑडियो कैसेट धड़ाधड़ बिकने लगे। 90s की रोमांटिक प्लेलिस्ट में ये गाना अभी भी टॉप पर है। चोरी मैंने भी तो अपनी सादगी, सॉफ्ट मेलोडी और शुद्ध रोमांस की वजह से आज भी लोगों का पसंदीदा बना हुआ है। फिल्म दलाल में मिथुन चक्रवर्ती, आयशा जुल्का के अलावा राज बब्बर, शक्ति कपूर, रवि बहल, इंद्रानी बनर्जी और टिन्नू आनंद जैसी दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिका में थे।

रामायण के 'रावण तांडव' गाने पर उठे सवाल

एआर रहमान को हटाने की मांग

नई दिल्ली। नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'रामायण' के दूसरा गाने 'रावण तांडव' की आलोचना हो रही है। 1 मिनट 55 सेकंड लंबे इस गाने में साउथ एक्टर यश रावण के रूप में भगवान शिव की भक्ति करते नजर आ रहे हैं।सोशल मीडिया पर लोगों का कहना है की एआर रहमान का म्यूजिक और डॉ. कुमार विश्वास के लिखे बोल उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं।

दावा किया गया है कि फिल्म में यह गाना 4 मिनट का है, जिसे प्रोमो वर्शन में 1 मिनट 55 सेकंड का करने के चक्कर में ऑडियो क्वालिटी और ओरिजिनल फ्लो से समझौता करना पड़ा है।

कई लोगों ने इस संगीत को उम्मीद के मुताबिक एनर्जेटिक न बताते हुए दूसरे पार्ट के लिए म्यूजिक कंपोजर बदलने तक का सुझाव दिया है।

गाना सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। कुछ यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि फिल्म के मिजाज के हिसाब से एआर रहमान का चुनाव सही नहीं था।

लोग इस गाने की तुलना फिल्म 'आदिपुरुष' में अजय-अतुल के बनाए 'शिव तांडव' से कर रहे हैं। क्रिटिक्स का मानना है कि अजय-अतुल का कंपोजिशन आंखें बंद करके सुनने पर भी रोंगटे खड़े कर देता है, जबकि रहमान और हंस जिमर का यह ट्रैक वह इमोशनल इम्पैक्ट नहीं छोड़ पाता। लोग 'रावण तांडव' की तुलना फिल्म 'आदिपुरुष' में अजय-अतुल के बनाए 'शिव तांडव' से कर रहे हैं। लोग 'रावण तांडव' की तुलना फिल्म 'आदिपुरुष' में अजय-अतुल के बनाए 'शिव तांडव' से कर रहे हैं।

टाइगर पर फायरिंग के बाद मनोज बाजपेयी बोले- यह डरावना है, दिव्या दत्ता ने भी जताई चिंता

'गोली कहीं से भी चल जा रही है'

नई दिल्ली। एक्टर टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के बाद मनोज बाजपेयी और दिव्या दत्ता ने घटना पर चिंता जताई है।

ANI से बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा कि वह इस घटना को गैंगवार नहीं मानते, लेकिन कहीं से भी गोलियां चलना डराने वाला है। मनोज ने कहा, "मुझे यह गैंगवार नहीं लगता, लेकिन गोली कहीं से भी चल जा रही हैं। यह बड़ा डरावना है। टाइगर के साथ जो हुआ, वह दुखद है और सबसे अच्छी बात यह है कि वह सुरक्षित हैं और उनके ड्राइवर की हालत भी धीरे-धीरे सुधर रही है।" उन्होंने कहा कि खबरों से पता चला है कि मामले की जांच जारी है और आरोपियों को गिरफ्तार कर मुंबई लाया गया है। मनोज ने उम्मीद जताई कि जांच जल्द पूरी होगी और दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई की जाएगी, जिससे भविष्य

में कोई इस तरह की घटना को अंजाम देने से पहले सोचे। दिव्या दत्ता ने कहा कि ऐसी घटनाओं से लोगों में डर पैदा होता है। हर व्यक्ति को सुरक्षित महसूस करने की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं और टाइगर सुरक्षित हैं। 18 अक्टूबर की शाम को मुंबई के जुहू इलाके में बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर अज्ञात हमलावरों द्वारा फायरिंग की गई थी। इस हमले में टाइगर श्रॉफ पूरी तरह सुरक्षित रहे, हालांकि उनकी कार के शीशे टूटने और बारूद की वजह से उनके हाथों और छाती पर मामूली चोटें आईं। घटना में उनका ड्राइवर फिरदौस और पास में खड़ा एक राहगीर घायल हो गए थे। दीपक ने सवाल उठाया कि आखिर एक्टर्स यहां काम करने आते हैं या निशाना बनने के लिए? उन्होंने कहा कि अगर किसी गैंग को कोई परेशानी है, तो उसे सामने बैठकर बातचीत से मामला सुलझाना चाहिए।

टाइगर पर फायरिंग की घटना से कई सेलेब्स ने चिंता जताई

बता दें कि टाइगर पर फायरिंग की घटना पर कई सेलेब्स ने रिएक्शन दिया। सुनील शेट्टी ने टाइगर श्रॉफ पर हुई फायरिंग की घटना पर चिंता जताते हुए कहा था, "पूरी दुनिया टाइगर और जैकी दादा से प्यार करती है। अगर उनके साथ ऐसा हो सकता है, तो किसी के साथ भी ऐसा हो सकता है। ऐसा बिल्कुल नहीं होना चाहिए था।" सुनील ने कहा कि जैकी श्रॉफ उनके बचपन के दोस्त हैं। उन्हें राहत है कि टाइगर ठीक हैं।

टाइगर श्रॉफ पर हुई फायरिंग की घटना पर दिग्गज एक्टर दीपक पराशर ने कहा था कि इस घटना से उन्हें बहुत बुरा लगा। टाइगर एक अच्छे इंसान हैं और उनके पिता जैकी श्रॉफ उनके काफी करीबी हैं। उन्होंने जैकी को मैसेज भेजकर भी अपनी चिंता जाहिर की।

भारत नाराज, रिपोर्ट बनाने वाले अधिकारी पर चीन से पैसे लेने का आरोप

यूएन रिपोर्ट में दाऊद की डी-कंपनी को भारतीय गिरोह बताया गया

आपत्ति

न्यूयॉर्क, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है। इसमें अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के गिरोह डी-कंपनी को भारत में मौजूद अपराधी संगठन बताया गया था।

भारत ने बुधवार को कहा कि यह बात गलत है और इससे साबित करती हुई कोई जानकारी रिपोर्ट में नहीं दी गई। भारत ने कही कि ऐसी गलतियों से संयुक्त राष्ट्र की छवि को नुकसान पहुंचता है। यह रिपोर्ट बेन सॉल ने जुलाई 2026 में तैयार की थी। इसे अक्टूबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) के 81वें सत्र के दौरान पेश किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र में बुधवार को भारत के प्रतिनिधि रघु पुरी ने UN रिपोर्ट पर आपत्ती जताई।

बेन सॉल ऑस्ट्रेलिया की सिडनी यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रोफेसर हैं। उन्हें मिलने वाली आर्थिक मदद को लेकर भी सवाल उठे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के कामकाज पर नजर रखने वाले यूएन वॉच ने मई 2026 में एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें आरोप लगाया गया कि चीन की सरकार ने 2024 में सॉल को 1.5 लाख डॉलर दिए थे। रिपोर्ट में चीन को उनका सबसे बड़ा आर्थिक मददगार बताया गया। रघु पुरी ने कहा कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश अब मानवाधिकारों और आतंकवाद से निपटने के नियमों का सहारा लेकर अपने कामों को सही ठहराने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों के नाम पर आतंकवाद फैलाने वालों और कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वालों को बचाया नहीं जा सकता।

पुरी बोले- दाऊद के भारत छोड़ने की बात रिपोर्ट में नहीं

पुरी ने कहा कि दाऊद 2003 में संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल किए जाने से काफी पहले भारत छोड़ चुका था। इसके बाद विदेश में रहते हुए उसे अल-कायदा और उसके सरगना ओसामा बिन लादेन से संबंधों के कारण सूची में डाला गया था। पुरी के मुताबिक, रिपोर्ट में इस अहम जानकारी का जिक्र नहीं किया गया। ऐसी लापरवाही संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन को नुकसान पहुंचाती है। भारत ने यह भी कहा कि संयुक्त राष्ट्र की सूची में दाऊद के रहने की जगह के बारे में जो जानकारी दी गई है, वह उस देश की ओर इशारा करती है जहां ओसामा बिन लादेन मिला था और मारा गया था। यह पाकिस्तान का संदर्भ था। बिन लादेन को 2011 में अमेरिकी सेना ने पाकिस्तान के एबटाबाद में मार गिराया था।

बेन सॉल 11 दिसंबर 2024 को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र के यूरोपीय मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बोलते हुए।

भारत बोला- दाऊद 1993 से वांटेड, देश छोड़कर भागा

संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति की बैठक में बुधवार को भारत के प्रतिनिधि रघु पुरी ने यह मुद्दा उठाया।

भारत ने रिपोर्ट के उस हिस्से पर सवाल उठाया, जिसमें कहा गया था कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 2003 में अल-कायदा से संबंधों के कारण भारत में मौजूद डी-कंपनी के सरगना को अपनी प्रतिबंध सूची में शामिल किया था। रघु पुरी ने कहा कि डी-कंपनी को भारत में मौजूद संगठन बताने से लोगों के सामने गलत तस्वीर जाती है। दाऊद इब्राहिम और उसका गिरोह 1993 के मुंबई बम धमाकों से जुड़े मामले में भारत में वांटेड हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में भी दाऊद से जुड़ी जानकारी दी गई है।

जियो आईपीओ को दो दिन में मिला 3.5 गुना सब्सक्रिप्शन

आम निवेशकों का कोटा भी पूरा भरा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश का सबसे बड़ा आईपीओ 'जियो प्लेटफॉर्म्स' दूसरे दिन सुबह 11:00 बजे तक 3.50 गुना भर गया है। कंपनी के 19.75 करोड़ शेयरों के मुकाबले 69.08 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां मिल चुकी हैं। संस्थागत निवेशकों का कोटा 9.42 गुना, गैर-संस्थागत हिस्सा 2.42 गुना और रिटेल पोर्शन 1.02 गुना सब्सक्राइब हो चुका है। यह इश्यू 23 अक्टूबर तक खुला रहेगा।

जियो इस आईपीओ के जरिए कुल 30,213 करोड़ जुटा रही है। हालांकि, इश्यू खुलने से ठीक पहले कंपनी ने एंकर इन्वेस्टर्स को शेयर जारी करके 8,110 करोड़ का फंड जुटा लिया था।

एंकर कोटा हटने के बाद प्राइमरी मार्केट में आम जनता और संस्थागत खरीदारों के लिए करीब 22,103 करोड़ का नेट इश्यू ही रखा गया है, जिस पर लगातार बोलियां लग रही हैं। आईपीओ पहले दिन यानी 21 अक्टूबर को ही 3.02 गुना भर i/e था। 19.75 करोड़ शेयरों के बदले 59.68 करोड़ शेयरों की मांग आई थी। दूसरे दिन की शुरुआत में संस्थागत निवेशकों की भारी बिडिंग की वजह से यह आंकड़ा 3.50 गुना के पार पहुंच गया।

जियो के एक शेयर की कीमत यानी प्राइस बैंड 1,065 से 1,119 है। आम निवेशक को शेयर खरीदने के लिए कम से कम 13,428 लगाने होंगे, जबकि अधिकतम 14 लॉट यानी 168 शेयर के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

फास्ट न्यूज

अमेरिकी पोस्टल सर्विस ने दिवाली पर जारी किया डाक टिकट

वॉशिंगटन। अमेरिकी डाक सेवा ने दिवाली के उपलक्ष्य में एक डाक टिकट जारी किया है। इसपर ह्यूस्टन में रहने वाली कलाकार संगीता भूताडा द्वारा बनाई गई एक बेहद सुंदर रंगोली का डिजाइन है। बुधवार शाम को यहां भारतीय दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, अमेरिकी डाक सेवा की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट शिबानी गंभीर और संगीता भूताडा ने इस डाक टिकट का अनावरण किया।

सोना 3 दिन में 3 हजार, चांदी 9 हजार सस्ती

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में 22 अक्टूबर को लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 953 रुपए गिरकर 1.43 लाख रुपए पर आ गया है।

एक किलो चांदी की कीमत 8,002 रुपए घटकर 2.01 लाख रुपए हो गई है। वहीं तीन दिन में सोना 3,200 हजार रुपए और चांदी 10 हजार रुपए सस्ती हुई है। कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत होना और कच्चे तेल के दाम में तेजी इसका मुख्य कारण हैं।

श्रीलंका में 7 भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने गुरुवार को बताया कि उसने 2,400 किलो केंदू के पत्तों की तस्करी की कोशिश कर रहे सात भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। श्रीलंकाई नौसेना ने कहा, 'यह अभियान वेस्टर्न नेवल कमांड को मिली जानकारी के आधार पर चलाया गया था। दो संदिग्ध भारतीय नौकाओं और इलाके में मौजूद दो स्थानीय छोटी नावों को देखे जाने के बाद उन्हें रोका गया।'

होर्मुज में जहाज पर हमला 21 भारतीय सवार थे

नई दिल्ली, एजेंसी

होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे कुवैत के झंडे वाले तेल टैंकर M/T अल दसमा पर बुधवार को अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ।

जहाज पर 21 भारतीय नाविक समेत बाकी क्रू मेंबर भी सवार थे। हमले के बाद टैंकर में आग लग गई, जिसे बाद में बुझा दिया गया। सभी भारतीय नाविक और बाकी क्रू मेंबर सुरक्षित हैं।

अक्टूबर में भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर हमले की यह पांचवीं घटना है। इन हमलों में अब तक 11 भारतीय घायल हुए हैं और 2 भारतीय लापता हैं। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के बीच भारत ने व्यापारिक जहाजों और उन पर काम करने वाले नाविकों पर हमलों को लेकर कई बार चिंता जताई है। भारत ने व्यापारिक जहाजों पर हमलों को कानूनी और नैतिक, दोनों लिहाज से गलत बताया है। सरकार का कहना है कि समुद्र में काम करने वाले नाविकों की सुरक्षा और समुद्री रास्तों से जहाजों की आवाजाही की आजादी बनाए रखना जरूरी है। विदेश मंत्रालय ने व्यापारिक जहाजों, नाविकों और आम लोगों के इस्तेमाल वाले बुनियादी ढांचे पर हमले तुरंत रोकने की अपील की है। मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों से व्यापारिक जहाजों की सुरक्षित और बिना रुकावट आवाजाही सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया है।

तेल टैंकर में आग लगी अक्टूबर में भारतीय नाविकों वाले जहाजों पर 5 हमले हुए

बोले- लेखन के लिए सम्मान मिलना चाहिए था, अब तक 19 किताबें लिख चुके हैं

नोबेल के बाद अब पुलित्जर न मिलने से ट्रम्प नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्हें लेखन के लिए पुलित्जर पुरस्कार मिलना चाहिए था। ट्रम्प ने बुधवार को एक रैली में रूस से जुड़ी जांच की रिपोर्टिंग के लिए पुलित्जर जीतने वाले पत्रकारों की आलोचना की। साथ ही, कई युद्ध रुकवाने का श्रेय लेते हुए एक बार फिर नोबेल शांति पुरस्कार न मिलने पर नाराजगी जताई। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि पत्रकारों ने इस मामले में गलत रिपोर्टिंग की थी और उन्हें इसके लिए पुरस्कार नहीं मिलना चाहिए था। ट्रम्प अब तक 19 किताबें लिख चुके हैं। इनमें 1987 में आई द आर्ट ऑफ द डील सबसे चर्चित है। 2026 में आधिकारिक सूची के मुताबिक, पुलित्जर पुरस्कार कुल 25 पुरस्कारों के रूप में दिए गए थे। इनमें पत्रकारिता, किताबों, नाटक, संगीत और एक विशेष सम्मान की श्रेणियां शामिल थीं।

इन पुरस्कारों में ट्रम्प सरकार की नीतियों और उसके कामकाज पर की गई रिपोर्टिंग को भी सम्मान मिला।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने बुधवार को दक्षिण कैरोलिना में एक रैली में रिपब्लिकन पार्टी के समर्थकों को संबोधित किया।

पुलित्जर पुरस्कार पत्रकारिता के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में गिना जाता है। हालांकि यह किताबों, नाटक और संगीत के लिए भी दिया जाता है।

सोशल मीडिया पर ट्रम्प का मजाक उड़ा

पुलित्जर पुरस्कार के लिए ट्रम्प के दावे पर सोशल मीडिया यूजर्स ने उनका मजाक उड़ाया। कुछ लोगों ने उनके लेखन की क्षमता पर सवाल उठाए। एक यूजर ने लिखा, जो व्यक्ति बच्चों की किताब तक नहीं लिख सकता, उसे लगता है कि उसे पुलित्जर मिलना चाहिए?

एक अन्य यूजर ने ट्रम्प के बोलने के तरीके पर तंज कसते हुए लिखा, ₹ट्रम्प लेखन के लिए पुलित्जर चाहते हैं? वे अंग्रेजी भाषा के साथ ऐसा बर्ताव करते हैं, जैसे उसे बंधक बना लिया हो। उनके वाक्यों को समझने के लिए तो खोजी दल की जरूरत पड़ेगी।

रूसी मामले पर 2018 में 2 अखबारों को मिला था पुलित्जर

ट्रम्प ने रैली में रूस से जुड़े मामले पर अवार्ड पाने का जिक्र किया यह 2018 का मामला है। 2018 में द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वॉशिंगटन पोस्ट को रूस से जुड़ी खबरों के लिए पुलित्जर पुरस्कार मिला था। इन अखबारों ने अपनी खबरों में बताया था कि 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रूस ने दखल दिया था और उसकी जांच में ट्रम्प की चुनावी टीम के संबंधों की पड़ताल की गई थी। ट्रम्प इन खबरों को गलत बताते हैं। उन्होंने पुरस्कार वापस लेने की मांग भी की थी। लेकिन 2022 में पुलित्जर बोर्ड ने जांच के बाद उनकी मांग खारिज कर दी। बोर्ड ने कहा कि उसे ऐसा कोई सबूत नहीं मिला, जिससे साबित हो कि पुरस्कार जीतने वाली खबरें बाद में गलत साबित हुई थीं।

1 भारतीय समेत 3 की मौत, 10 घायल, 16 दिन में यहां 6 बड़े हमले

सऊदी के एयरपोर्ट तेल ठिकाने पर हूती विद्रोहियों का हमला

रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब में बुधवार देर रात एक एयरपोर्ट और एक तेल ठिकाने पर हुए हमलों में एक भारतीय समेत 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं 10 लोग घायल हुए हैं। इसमें 3 भारतीय भी हैं। दम्माम शहर के किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले में एक भारतीय की मौत हुई। वहीं दो भारतीयों समेत 8 लोग घायल हुए।

वहीं, अरामको के तेल ठिकाने पर ड्रोन हमले में नेपाल और फिलीपींस के एक-एक नागरिक की जान गई। यहां एक भारतीय समेत 2 लोग घायल हुए।

इस महीने हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के बड़े एयरपोर्ट और दूसरी अहम जगहों पर मिसाइलों और अन्य हथियारों से हमले किए हैं।

इन हमलों के बीच अमेरिका ने अपने कुछ राजनयिकों और सरकारी कर्मचारियों को परिवारों के साथ सऊदी अरब छोड़ने को कहा है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि मंत्रालय के कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। मंत्रालय ने हूती विद्रोहियों की ओर से नागरिक एयरपोर्ट और दूसरी जरूरी सुविधाओं पर हो रहे हमलों को कर्मचारियों को हटाने की वजह बताया है। अमेरिकी दूतावास फरवरी के आखिर में ईरान के खिलाफ शुरू हुए अमेरिकी युद्ध के शुरुआती दौर में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था।

इस महीने हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर 6 बड़े हमले किए हैं। इन हमलों में कम से कम 23 लोगों की मौत हुई है और 370 घायल हुए हैं।

सऊदी अरब के दमाम एयरपोर्ट पर हमले के बाद आसमान में धुएं का गुबार उठता नजर आया।

एयरपोर्ट पर हमले के बाद विमानों का रास्ता बदला

सऊदी अरब के सिविल एविएशन अथॉरिटी ने गुरुवार को एयरपोर्ट पर हमले की जानकारी दी। इसमें एयरपोर्ट को भी नुकसान पहुंचा है।

दम्माम, फारस की खाड़ी के तट पर स्थित है। यह बहरीन और कतर के करीब है। दुनियाभर की उड़ानों पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24 ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर बताया कि हमले के बाद विमानों को दूसरे रास्तों से भेजा जा रहा है।

इसके अलावा सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने बताया कि उसने देश के पूर्वी इलाके में चार ड्रोन हमलों को नाकाम किया है।

'बिस्मिल्लाह से ले तेनैब्रे' फ्रांस के आंदोलन का नारा बना

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस के छात्र आंदोलन में एक अजीब-सा नारा 'बिस्मिल्लाह, से ले तेनैब्रे' वायरल हो गया। Gen-Z छात्र पुलिस को चिढ़ाने के लिए इस नारे का इस्तेमाल कर रहे हैं।

दोनों को मिलाकर इसका मोटा-मोटा अर्थ 'अल्लाह के नाम पर यह अंधकार है' निकलता है। हालांकि, यह फ्रांसीसी भाषा का कोई वाक्य नहीं है। इसकी अटपटी बनावट और अजीब शब्दों के मेल की वजह से लोग इसका मजाक उड़ा रहे हैं।

भारत में भी जुलाई में छात्र आंदोलन के दौरान 'वास्तेगुना हुइंया' स्लैंग चर्चित हुआ था। इसका भी कोई खास मतलब नहीं था। यह वायरल हुए अंग्रेजी वाक्य 'केन आई गेट ए होया' का बिगड़ा हुआ रूप था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह नारा सबसे पहले सोशल मीडिया स्नैपचैट पर इस्तेमाल किया था।

एक व्यक्ति ने पिछले महीने छात्र प्रदर्शन आयोजित करने वालों के प्राइवेट चैट ग्रुप में शामिल होने के लिए स्नैपचैट पर कुछ लोगों को मैसेज भेजे। उसने लिखा, 'बिस्मिल्लाह, से ले तेनैब्रे।' इसके बाद उसने कहा, 'हम सब कुछ तोड़ देंगे।' उसने अलग-अलग नामों से कई प्रोफाइल बनाकर ये मैसेज भेजे। इनमें मामादू और अब्देल्लाह जैसे नाम शामिल थे। कुछ प्रोफाइल पर अल्जीरिया के झंडे वाले इमोजी भी लगे थे। मैसेज की भाषा और अंदाज कुछ स्नैपचैट यूजर्स को अजीब और मजेदार लगे। उन्होंने इन मैसेज के स्क्रीनशॉट लिए और सोशल मीडिया पर शेयर कर दिए। इसके बाद यह वाक्य चर्चा में आ गया।

समझौता : चारों देशों के बीच करार ■ अब पाक मुस्लिम देशों के साथ साझेदारी बढ़ा रहा

पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया मिलकर बनाएंगे हथियार

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान, तुर्किये, कतर और इंडोनेशिया अब मिलकर हथियार बनाएंगे। चारों देशों ने बुधवार को कतर की राजधानी दोहा में बद्र समझौता किया। इसके तहत हथियारों का साझा उत्पादन, सैन्य तकनीक का लेनदेन और रक्षा क्षेत्र में ट्रेनिंग और रिसर्च की जाएगी।

मक्का पैक्ट के बाद पाकिस्तान की मुस्लिम बहुल देशों के साथ यह बढ़ती साझेदारी क्षेत्र में नए रक्षा समीकरण बना सकती है। इसका मकसद हथियारों के लिए दूसरे देशों पर निर्भरता घटाना और अपनी सैन्य ताकत बढ़ाना है।

रक्षा उद्योग के जानकार अर्दा मेवलुतोग्लू के मुताबिक, चारों देशों की अपनी-अपनी ताकत है। तुर्किये के पास हथियार बनाने की आधुनिक तकनीक, सैन्य सिस्टम तैयार करने का अनुभव और मजबूत रक्षा उद्योग है। पाकिस्तान और इंडोनेशिया के पास हथियार बनाने की क्षमता, लेबर और बड़े घरेलू बाजार हैं।

वहीं, कतर के पास इस क्षेत्र में निवेश करने के लिए पैसा और हथियार खरीदने की क्षमता है।

इन खूबियों को मिलाकर चारों देश हथियारों के उत्पादन और उनकी देखरेख के लिए एक साझा व्यवस्था तैयार कर सकते हैं। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटजिक स्टडीज के रिसर्च एसोसिएट अल्बर्ट विडाल के मुताबिक, पाकिस्तान और इंडोनेशिया तुर्किये के हथियार खरीदने के साथ उनका कुछ हिस्सा अपने देश में भी बनाना चाहते हैं।

कतर के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस समझौते का मकसद चारों देशों की हथियार बनाने की क्षमता बढ़ाना और रक्षा उद्योग में आपसी सहयोग मजबूत करना है। इसके तहत चारों देश अपने संसाधनों, तकनीक, कामगारों और निवेश का इस्तेमाल एक-दूसरे की मदद के लिए करेंगे।

कतर, इंडोनेशिया, पाकिस्तान और तुर्किये ने बुधवार को बद्र एग्रीमेंट पर साइन किए।

पहले से चल रही रक्षा साझेदारी को बढ़ावा मिलेगा

तुर्किये का रक्षा उद्योग दुनिया के विकसित रक्षा उद्योगों में शामिल है। वह पहले से ही कतर, पाकिस्तान और इंडोनेशिया के साथ अलग-अलग रक्षा प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है। कतर और तुर्किये ने अक्टूबर 2025 में भी रक्षा उद्योग में सहयोग के लिए एक समझौता किया था।

फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों के बीच भारतीयों के लिए एडवाइजरी

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस में हिंसक प्रदर्शनों और कर्फ्यू के बीच भारतीय दूतावास ने वहां रहने और घूमने गए भारतीयों के लिए एडवाइजरी जारी की है। दूतावास ने लोगों से सतर्क रहने. प्रदर्शन वाली जगहों और भीड़भाड़ से दूर रहने को कहा है। वहीं, प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू ने 24 अक्टूबर को होने वाले नए प्रदर्शनों से पहले बड़े पैमाने पर पुलिस बल तैनात करने को कहा है।

पेरिस में भारतीय दूतावास ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि फ्रांस में हाल के घटनाक्रम और कुछ इलाकों में कर्फ्यू को देखते हुए भारतीय नागरिक सावधानी बरतें।

वे उन जगहों पर जाने से बचें, जहां प्रदर्शन हो रहे हैं। साथ ही, फ्रांस के स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें। दूतावास ने भारतीयों से अलग-अलग शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में रुकावट की जानकारी लेते रहने को कहा है। आपात स्थिति में मदद के लिए पेरिस में भारतीय दूतावास और मार्सेई में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं। फ्रांस में बढ़ती महंगाई और स्कूलों की खराब स्थिति को लेकर प्रदर्शन हो रहे हैं। पिछले कई दिनों से जारी हिंसा के बाद सरकार ने कुछ इलाकों में कर्फ्यू बढ़ा दिया है और सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी है। CBS न्यूज के मुताबिक, फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने माना कि अधिकारियों ने हिंसा की गंभीरता का सही अंदाजा नहीं लगाया था।

भीड़ से दूर रहने की सलाह, 24 अक्टूबर के प्रदर्शन से पहले भारी पुलिस तैनात

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96